www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 315 || अम्बेडकरनगर
मंगलवार
10 फरवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:47
सूर्यास्तः 05:54
अधिकतमः 25°00
न्यूनतमः 11°00

पेज 07

विशेष समाचार | क्या सिर्फ जातिवाद ही भेदभाव... >>पेज 04 | मंत्री के बेटे की फॉर्च्यूनर... >>पेज 06 | 'बॉक्स ऑफिस नंबर याद...

वित्त मंत्री ने पेश किया आर्थिक सर्वेक्षण, सदन मंगलवार 11 बजे तक के लिए स्थगित

यूपी विधानसभा के बजट सत्र में जमकर हंगामा

उत्तर प्रदेश विधानसभा का वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट सत्र आज से शुरू हो रहा है. यह 19 फरवरी तक चलेगा

अभिभाषण

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एक्स पर पोस्ट किया है. जिसमें उन्होंने लिखा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र आज राज्यपाल के विधानमण्डल के संयुक्त अधिवेशन को सम्बोधन की संसदीय परम्परा से शुरू हुआ, लेकिन उनका यह भाषण परम्परा से हटकर प्रदेश के विकास व सर्वसमाज के उत्थान सहित व्यापक जनहित में वास्तविक व थोड़ा उत्साही होता तो यह बेहतर होता। >> (शेष पेज 06 पर)

> विपक्ष ने सरकार पर सवाल उठाया कि आखिर यह राज्यपाल के अभिभाषण के तत्काल बाद आर्थिक सर्वेक्षण पेश करने की क्या आवश्यकता होगी, इस पर तत्काल चर्चा कराई जाए. विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि निश्चित तौर पर चर्चा कराई जाएगी. सदन कल सुबह 11 बजे तक स्थगित किया गया है

सरकार चर्चा को तैयार

विधानसभा पहुंचने पर सीएम योगी ने कहा कि यूपी का कितना आर्थिक विकास हुआ है, कितना रोजगार आया, कितना रेवेन्यू आया है, इस सबको लेकर आर्थिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट पेश करेगी। >> (शेष पेज 06 पर)

यूपी विधानसभा बजट सत्र

शिक्षा क्षेत्र में सरकार की उपबल्धि

राज्यपाल ने अभिभाषण में कहा- प्रदेश के सभी 75 जनपदों में दो-दो विद्यालयों को मुख्यमंत्री मॉडल कम्पोजिट विद्यालयों एवं एक-एक विद्यालय को मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालय के रूप में विकसित किया जा रहा है. वर्ष (2022-23, 2023-24 एवं 2024-25) में परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में शिक्षकों के उपयोगार्थ 2 लाख 61 हजार से अधिक टैबलेट्स वितरित किये जा चुके हैं. वर्ष 2025-26 में दुर्बल वर्ग के बच्चों की निजी विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था के अंतर्गत 1 लाख 40 हजार से अधिक बच्चों का प्रवेश कराया गया. प्रोजेक्ट अलंकार योजना के अन्तर्गत विद्यालयों के जर्जर भवनों का नवनिर्माण एवं सुविधाओं का विस्तार समाहित है. 2023-24 से 2025-26 तक 275 करोड़ की धनराशि से 590 सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों को आच्छादित किया गया है।

■ वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना बजट सत्र में आर्थिक सर्वेक्षण पेश कर रहे हैं. इसमें उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में स्थान अब करीब 9% से ज्यादा हो गया. जो कि 2016-17 में लगभग 8% था. चालू वित्त वर्ष में उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 1.20 लाख रुपए प्रति व्यक्ति होने की संभावना है.

राज्यपाल ने कसा तंज, आपके समय जीरो था

राज्यपाल ने प्रदेश के 121 राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों में एक्सीलेंस सेंटर और 251 स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना का जिक्र करने के दौरान सपा सदस्यों के शोरगुल पर तंज कसते हुए कहा कि आपके समय में यह सब जीरो था। उन्होंने आगे कहा कि पांच साल तक जीरो पर ही रहे । >> (शेष पेज 06 पर)

समाजवादी पार्टी का विधानसभा के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन

राज्यपाल के अभिभाषण से पहले विपक्षी दलों के विधायकों ने विधानसभा के मुख्य द्वार पर स्थित पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया. समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के विधायक ने हाथों में प्लेकार्ड लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. समाजवादी पार्टी से एमएलसी आशुतोष सिन्हा साइकिल से विधानसभा पहुंचे. उनकी साइकिल के आगे राज्य माता अहिल्याबाई होल्कर की तस्वीर लगी थी. उन्होंने कहा कि सरकार राज्यपाल के माध्यम से "झूठ का पुलिंदा" पेश करेगी, लेकिन विपक्ष शिक्षक, किसान, नौजवान, बुनकर और कर्मचारियों से जुड़े मुद्दे सदन में उठाएगा. उन्होंने आरोप लगाया कि मणिकर्णिका घाट पर अहिल्याबाई होल्कर की मूर्तियां तोड़ी गई हैं, जिसे सरकार नकार रही है. समाजवादी पार्टी के विधायक राकेश वर्मा ने कहा कि प्रदेश में जनसरोकार के मुद्दों पर सरकार नाकाम रही है। >> (शेष पेज 06 पर)

सदन में बोलने का अधिकार दिलाया जाएगा या नहीं : राहुल

रिजिजू बोले-कोई कमिटमेंट नहीं, लोकसभा स्थगित

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । बजट सत्र के 9 वें दिन लोकसभा की कार्यवाही केवल 13 मिनट ही चल पाई। विपक्ष सदन में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने देने की मांग कर रहा है। राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि 1 घंटा पहले स्पीकर के पास हम गए, स्पीकर ने हमें कमिट किया कि मुझे बजट डिस्कशन से पहले बोलने दिए जाएगा, आप मुझे बोलने नहीं दे रही हैं। मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आप मुझे बोलने देंगी या नहीं। 3 बजे जब सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो आसंदी (स्पीकर की चेयर) पर संध्या राय (भाजपा सांसद) बैठी थीं।

राहुल की बात के जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि मैं भी स्पीकर के केबिन में मौजूद था। ऐसा कोई कमिटनमेंट नहीं किया गया। >> (शेष पेज 06 पर)

■ राहुल गांधी के बोलते ही हंगामा हो गया और सभा स्थगित कर दी गई।

वहीं, विपक्ष लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है। सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी गई। यह प्रस्ताव पेश करने के लिए कम से कम 50 सांसदों का समर्थन जरूरी होता है। इसके लिए सदन में 14 दिन पहले लिखित नोटिस देना होता है।

राहुल बोले- सरकार बहस से डर रही है

राहुल गांधी ने कहा कि नरवणे की किताब के मुद्दे पर सरकार ने उन्हें बार-बार बोलने नहीं दिया और सदन रोक दिया। पहले किताब, फिर मैगज़ीन को कोट करने से रोका गया। रक्षा मंत्री ने गलत कहा कि किताब छपी नहीं है, जबकि वह छप चुकी है। राष्ट्रपति के भाषण पर भी LoP और विपक्ष को बोलने नहीं दिया गया। वहीं सत्तापक्ष के एक सदस्य ने कई किताबें कोट कर आपत्तिजनक बातें कहीं, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके अलावा विपक्ष के सदस्यों को सस्पेंड किया गया। >> (शेष पेज 06 पर)

किरेन रिजिजू ने कहा- मैं स्पीकर के केबिन में मौजूद था, स्पीकर पर आरोप लगाने की बात नहीं हुई

केरिन रिजिजू ने कहा कि मैं स्पीकर के केबिन मैं मौजूद था। हमारी वहां बात हुई थी कि स्पीकर पर आरोप लगाएंगे तो स्पीकर भी जवाब देंगे। दोनों पक्षों में संसद चलने को लेकर बात हुई थी। ये तय नहीं हुआ था कि केवल किसी मुद्दे पर चर्चा होगी।

प्रियंका बोलीं- मोदी की सदन में आने की हिम्मत नहीं

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि स्पीकर पर इतना प्रेशर है कि उन्हें खुद बयान देना पड़ रहा है, जो सही नहीं है। इसका सवाल ही नहीं उठता कि कोई मोदी जी पर हाथ उठाए। सदन में कांग्रेस की 11 महिला सांसद हैं, जिनमें से मैं भी एक हूं। सभी महिला सांसद सीरियस पॉलिटिशियंस हैं। स्पीकर ने उनका अपमान किया है। स्पीकर पर सरकार ने ऐसा कहने का प्रेशर डाला है। नरेंद्र मोदी की हिम्मत नहीं हुई सदन में आने की, इसलिए स्पीकर से सफाई दिलवा रहे हैं।

फास्ट न्यूज

सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में बताया- वांगचुक बिल्कुल ठीक

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सोनम वांगचुक बिल्कुल ठीक हालत में हैं। वांगचुक के वकील ने कहा कि उनकी हिरासत पर फिर से विचार करने का यह सही समय है क्योंकि वह अभी भी अस्वस्थ हैं।

बढ़ोत्तरी तेजी

जी20 देशों में इंडियन इकोनॉमी की ग्रोथ सबसे तेज

नई दिल्ली । ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने सोमवार को भारतीय इकोनॉमी को लेकर नए अनुमान जारी किए हैं। मूडीज के मुताबिक, अगले वित्त वर्ष (2026-27) में भारत की GDP 6.4% की दर से बढ़ सकती है। मूडीज ने कहा कि यह रफ्तार दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं वाले G20 देशों के ग्रुप में सबसे ज्यादा होगी। एजेंसी ने इसके पीछे मजबूत घरेलू खपत, सरकार के नीतिगत फैसलों और देश के स्थिर बैंकिंग सिस्टम को मुख्य वजह बताया। मूडीज का यह अनुमान भारत सरकार और रिजर्व बैंक (RBI) के अनुमान के मुकाबले थोड़ा कम है।

दावा-संसद में पीएम केयर-फंड से जुड़े सवाल पूछने पर रोक

नई दिल्ली । कांग्रेस ने सोमवार को दावा किया है कि संसद में पीएम केयर फंड, पीएम राष्ट्रीय राहत कोष (PMNRF) और राष्ट्रीय रक्षा कोष (NDF) से जुड़े सवाल नहीं पूछे जा सकेंगे। ये निर्देश सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय ने लोकसभा सचिवालय को दिए हैं।

फरीदाबाद जेल में आतंकी अब्दुल रहमान की हत्या

राम मंदिर उड़ाने की साजिश रची थी

तमसा संकेत, एजेंसी

फरीदाबाद । हरियाणा की फरीदाबाद जेल में बंद अब्दुल रहमान की हत्या कर दी गई है। रविवार देर रात जेल में मर्डर केस में बंद अरुण चौधरी उर्फ अब्बू जट नाम के कैदी ने उस पर नुकीली चीज से हमला किया। दोनों को हाई सिक्योरिटी वाली बैरक में एक साथ बंद किया गया था।

कत्ल का पता चलते ही जेल अधिकारी बैरक में पहुंचे। इसके बाद रहमान की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया गया। 20 साल के अब्दुल को गुजरात ATS ने मार्च 2025 में पकड़ा था। जांच में पता चला कि वह अलकायदा इन इंडियन सब-कांटिनेंट (AQIS) के कुख्यात आतंकी अबू सूफियान के संपर्क में था। उसने अयोध्या में राम मंदिर उड़ाने की साजिश रची थी।

वहीं कत्ल करने वाला कैदी अरुण चौधरी का नाम भी चर्चित अक्षय शर्मा हत्याकांड में आया था। >> (शेष पेज 06 पर)

■ फरीदाबाद की नीमका जेल, जहां अब्दुल रहमान की हत्या की गई। इनसेट में अब्दुल रहमान (बाएं) और हत्या करने वाले अरुण चौधरी (दाएं)। (फाइल फोटो)

योगी बोले-कटे इसलिए थे, क्योंकि बंटे थे फिर बटेंगे, तो कटेंगे

सीतापुर। सीतापुर में सीएम योगी ने कहा- अगर सनातन पर संकट आएगा तो देश पर संकट आएगा। बंटोगे तो कटोगे। इसलिए बांटने वाले लोगों से सतर्क रहने की जरूरत है। भूतकाल में गुलाम इसलिए हुए थे कि हम बंटे थे। भूतकाल में कटे इसलिए थे क्योंकि हम बंटे थे। बांग्लादेश में आज हिंदुओं की हालत किसी से छिपी नहीं है। वहां रोज दलित हिंदुओं की हत्या हो रही है। लेकिन देश के लोग चुप हैं। इसलिए हमें एकजुट रहना है। सीएम ने यहां तपोधाम आश्रम में गिरधारी नाथ महाराज स्मारक स्थल का अनावरण किया। गिरधारी नाथ महाराज पाकिस्तान के बलूचिस्तान में स्थित शक्तिपीठ के संत रहे हैं। देश के बंटवारे के बाद उन्होंने सीतापुर में आकर अपनी साधना पूरी की थी। जिनकी याद में तपोधाम आश्रम में उनका स्मारक बनाया गया है।

जमानत पर सुनवाई से इनकार किया, सीजेआई बोले- 3 महीने के अंदर फैसला दें

कुलदीप सेंगर को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट भेजा

> कुलदीप सिंह सेंगर उत्तर प्रदेश के उन्नाव से पूर्व विधायक रह चुके हैं। वह रेप केस में दोषी ठहराए जा चुके हैं। पीड़िता के पिता की मौत का मामला भी इसी प्रकरण से जुड़ा है, जिसने देशभर में व्यापक चर्चा और आक्रोश पैदा किया था।

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव । भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। शीर्ष अदालत ने पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत से जुड़े मामले में जमानत पर सुनवाई से सोमवार को इनकार कर दिया।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट से आग्रह किया है कि वह सेंगर की अपील पर सुनवाई तीन महीने के भीतर पूरी करे।

CJI सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने कहा यह मामला हाईकोर्ट में विचार के योग्य है और लंबित अपील का शीघ्र निपटारा किया जाना चाहिए। हम इसे एक उपयुक्त मामला मानते हैं, जिसमें उच्च न्यायालय से यह अनुरोध किया जाता है कि वह अपील की सुनवाई यथासंभव, लेकिन तीन महीने से अधिक की देरी किए बिना पूरी करे। >> (शेष पेज 06 पर)

हाईकोर्ट ने जमानत देने से किया था इनकार

पूर्व विधायक कुलदीप सिंह ने सुप्रीम कोर्ट जाने से पहले दिल्ली हाईकोर्ट में जमानत की अपील की थी। 19 जनवरी 2026 को हाईकोर्ट ने जमानत से इनकार कर दिया था। हाईकोर्ट ने कहा था कि परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य की हिरासत में मौत के मामले में कोई नरमी नहीं बरती जा सकती।

सेंगर ने दलील दी थी कि वह इस केस में करीब 9 साल जेल में रह चुका है और अब सिर्फ 11 महीने की सजा बाकी है। पीड़ित की ओर से वकील महमूद प्राचा ने जमानत का कड़ा विरोध किया। उन्होंने कोर्ट को बताया था कि सेंगर को जमानत मिलने से पीड़ित और उसके परिवार को खतरा है।

जांच : राहुल इसकी कॉपी लेकर संसद पहुंचे थे, दावा किया- चीन ने लद्दाख में घुसपैठ की थी

नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब के सर्कुलेशन पर एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व आर्मी चीफ जनरल एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी (Four Stars of Destiny)' के सर्कुलेशन को लेकर दिल्ली पुलिस ने सोमवार को FIR दर्ज की है।

यह कार्रवाई अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन न्यूज फोरम पर सामने आई जानकारी के आधार पर की गई, जिसमें दावा किया गया था कि किताब की प्री-प्रिंट कॉपी सर्कुलेट हो रही है। पुलिस के मुताबिक, इस किताब के पब्लिकेशन के लिए अभी संबंधित अधिकारियों से आवश्यक मंजूरी नहीं मिली है। पुलिस जांच में सामने आया कि इसी टाइटल वाली एक टाइप-सेट किताब की PDF कॉपी कुछ वेबसाइट्स पर उपलब्ध थी। आशंका जताई गई है कि पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने जो कॉपी तैयार की थी, यह वही हो सकती है। >> (शेष पेज 06 पर)

> यह एफआईआर ऐसे समय दर्ज की गई है, जब 4 फरवरी को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को संसद परिसर में किताब की एक कॉपी दिखाते हुए देखा गया था। राहुल ने कहा था- अगर पीएम मोदी संसद आए तो उन्हें यह किताब दूंगा।

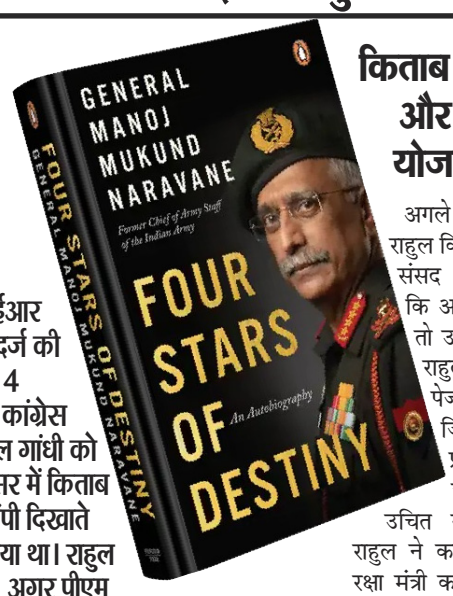

किताब चीन से झड़प और अग्निवीर योजना का रिव्यू

अगले दिन 4 फरवरी को राहुल किताब की कॉपी लेकर संसद पहुंचे। उन्होंने कहा कि अगर आज पीएम आए तो उन्हें यह किताब दूंगा। राहुल ने किताब का वह पेज खोलकर दिखाया, जिसमें लिखा है कि प्रधानमंत्री ने आर्मी चीफ से कहा था- जो उचित समझो वह करो!। राहुल ने कहा कि सरकार और रक्षा मंत्री कह रहे है कि किताब का अस्तित्व नहीं है। देखिए यह रही किताब। नरवणे की इस अनपब्लिश बुक में चीन के साथ भारतीय सेना की 2020 की झड़पों के साथ-साथ अग्निवीर योजना को रिव्यू किया गया है।

पंजाब में एकतरफा प्यार में की लॉ स्टूडेंट की हत्या

क्लासरूम में घुसकर छात्रा के सिर में गोली मारी

हड़कंप

तमसा संकेत, एजेंसी

मानव, तरनतारन। पंजाब के तरनतारन स्थित लॉ कॉलेज में सोमवार को छात्र ने क्लासरूम में घुसकर छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने वहीं पर खुद को भी गोली मारकर सुसाइड कर लिया। मृतक छात्रा संदीप कौर (20) है, वह लॉ कॉलेज में फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट थी। वहीं, आरोपी छात्र तरनतारन का प्रिंसराज सिंह है, वह भी छात्रा के साथ पढ़ता था। पुलिस ने लॉ कॉलेज को सील कर दिया है, साथ ही हत्या के कारणों की जांच कर रही है। वहीं लड़की की मां ने आरोप लगाया कि कॉलेज से उन्हें कहा गया कि छोटा सा झगड़ा हुआ और उनकी बेटी को चोट लगी है। वह कॉलेज पहुंचे तो बेटी मरी पड़ी थी। >> (शेष पेज 06 पर)

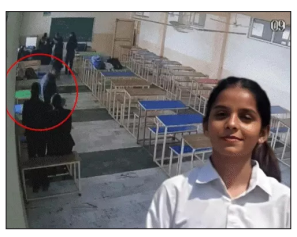

■ कॉलेज में बच्चों की कोई सिक्योरिटी नहीं -पेरेंट्स
■ हथियार कहां से आया, पुलिस जांच कर रही

संसद में बजट चर्चा पर बोले यादव- यूपी में अराजकता और भ्रष्टाचार चरम पर

विदेशी निर्भरता बढ़ी, किसानों और गरीबों को खतरा : अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर साधा हमला, कहा- चीन और अमेरिका से आए सामान ने किसानों और अर्थव्यवस्था को किया प्रभावित

आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने सोमवार को संसद परिसर में मीडिया से बातचीत में भाजपा सरकार पर कड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि संसद का सदन चलाने की जिम्मेदारी भाजपा सरकार की है, लेकिन चीन और अमेरिका से आयातित सामान ने देश की अर्थव्यवस्था और किसानों की स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चीन के मुद्दे पर घबराई हुई है, क्योंकि चीन ने भारतीय बाजार में कब्जा कर लिया है और सरकार ने मुनाफा कमाने के लिए चीन से सामान आयात करना शुरू कर दिया। अब अमेरिका से भी आयात बढ़ने वाला है, जिससे देश के किसानों और गरीबों की स्थिति और बिगड़ेगी। उत्तर प्रदेश की स्थिति पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में अराजकता और भ्रष्टाचार चरम पर है। प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश से होने के बावजूद बड़े माफिया जेल से भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधायक और मंत्री तक का अपहरण हो रहा है और पानी की टंकियां भ्रष्टाचार के बोझ को नहीं सह पा रही हैं।

यादव ने सवाल उठाया कि क्या सरकार बताएगी कि 2014 में देश का क्षेत्रफल क्या था और अब कितना है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विपक्ष के सवालों का जवाब नहीं देना चाहती और हालात ऐसे हैं कि सवाल पूछने पर भी कार्रवाई हो सकती है।

'किसान अब संकट में हैं'

बजट पर चर्चा को लेकर उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील से कृषि उत्पादन पर असर पड़ेगा। किसान अब संकट में हैं और सरकार ने खेती और किसानी के लिए खतरा पैदा कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीब और किसान पिछली सरकारों के मुकाबले और गरीब हुए हैं, क्योंकि अब पूरा बाजार विदेशी कंपनियों के लिए खुल गया है। जानवर का फीड, सोयाबीन का तेल और एथेनॉल भी विदेशों से आने लगे हैं, जिससे देश के रिसर्च संस्थान और किसानों की तरक्की प्रभावित होगी।

विद्यार्थियों का इसरो श्रीहरिकोटा भ्रमण सपनों को मिली नई उड़ान

श्रमिक परिवारों के बच्चों ने देखी अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित अटल आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच, नवाचार और राष्ट्रीय उपलब्धियों से जोड़ने के उद्देश्य से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा (SHAR) का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। यह भ्रमण श्रमिक परिवारों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा, आत्मविश्वास और सपनों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

इस शैक्षणिक भ्रमण में प्रदेश के सभी 18 अटल आवासीय विद्यालयों से चयनित कुल 36 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें प्रत्येक विद्यालय से एक बालक एवं एक बालिका शामिल रहे। अधिकांश विद्यार्थियों के लिए यह पहली हवाई यात्रा थी, जिसने उनके अनुभव को और भी अविस्मरणीय बना दिया। प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन उनकी शैक्षणिक योग्यता, अनुशासन एवं विज्ञान में अभिरुचि के आधार पर किया गया था। विमान यात्रा के माध्यम से श्रीहरिकोटा पहुँचने पर विद्यार्थियों में उत्साह, आत्मगौरव और आत्मविश्वास स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। यह यात्रा केवल शैक्षणिक ही नहीं, बल्कि श्रमिक परिवारों के बच्चों के लिए सपनों को नई दिशा देने वाली रही।

पूरे दिन चले इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने इसरो के प्रमुख तकनीकी एवं संचालन केंद्रों का अवलोकन किया। इनमें लॉन्च पैड-1, लॉन्च पैड-2, मिशन कंट्रोल सेंटर तथा सैटेलाइट एवं रॉकेट असेंबली क्षेत्र शामिल रहे। इसरो के वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को रॉकेट प्रक्षेपण की प्रक्रिया, सैटेलाइट नियंत्रण, डेटा विश्लेषण और मिशन संचालन की बारीकियों को सरल भाषा में समझाया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और वैज्ञानिकों से संवाद किया, जिससे उनकी जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को नया आयाम मिला।

फास्ट न्यूज

किसान क्रांति पदयात्रा वृंदावन मैदान पहुंची

मोहनलालगंज। भारतीय किसान यूनियन भानू की 10 दिवसीय किसान क्रांति पदयात्रा सोमवार को वृंदावन मैदान पहुंची। इस यात्रा का समापन मंगलवार, 10 फरवरी को वृंदावन मैदान में आयोजित होने वाली विशाल किसान महापंचायत के साथ होगा। यह पदयात्रा 1 फरवरी को गोसाईगंज ब्लॉक से शुरू हुई थी, जिसे संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

अधूरे निर्माण कार्यों से दिक्कत हो तो रोक दिए जाएं

लखनऊ। लखनऊ में मेयर सुषमा खर्कवाल ने सोमवार को नगर निगम में अभियंत्रण विभाग की समीक्षा बैठक ली। इसमें शहर में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां भी सड़क निर्माण कराया जा रहा है, वहां सड़क को एक छोर से दूसरे छोर तक पूरी तरह से पूरा किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सड़क के दोनों ओर नालियों का निर्माण अनिवार्य रूप से कराया जाए, ताकि जल निकासी की समस्या उत्पन्न न हो।

एलडीए की कार्रवाई से हंगामा वापस लौटी प्राधिकरण की टीम

लखनऊ। लखनऊ के बीबीडी थाना क्षेत्र के एसटीपी चौराहे पर सोमवार को एलडीए की कार्रवाई के दौरान जमकर हंगामा हुआ। कॉलोनी में बिना नक्शा पास कराए निर्माण किए जाने के आरोप में लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की टीम ने बाउंड्री और निर्माणाधीन मकान को गिरा दिया। कार्रवाई होते ही स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए।

इटौंजा इलाके में 2 बुजुर्ग दोस्तों को रौंदा, एक की मौत

दूसरे के पैर की हड्डी टूटकर बाहर निकली, पुलिस चौकी के पास 40 मिनट तड़पते रहे

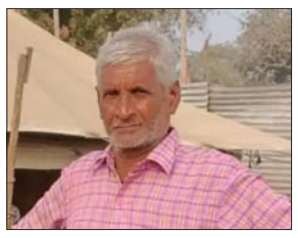

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के इटौंजा इलाके में बीती रात एक अज्ञात वाहन ने दो बुजुर्गों को टक्कर मार दी। वाहन की टक्कर से एक बुजुर्ग ने इलाज के दौरान मौत हो गई। दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक सड़क किनारे खड़े होकर अपने भाई का इंतजार कर रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

इटौंजा थाना क्षेत्र स्थित मुहाना चौकी के पास 58 वर्षीय कुंवर बहादुर सिंह अपने दोस्त अंगद सिंह के साथ सड़क किनारे खड़े होकर भाई अमर बहादुर सिंह का इंतजार कर रहे थे। बेटे निर्मल ने बताया कि इस दौरान उन्हें एक अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोर थी कि दोनों लोग दूर जा गिरे। कुंवर बहादुर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। उन्हें नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अंगद का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। अंगद के पैर की हड्डी टूटकर बाहर निकल आई है। हाथ की एक अंगुली कट गई। कुंवर बहादुर सिंह मुहाना गांव के रहने वाले थे। उनके बेटे निर्मल ने बताया कि घटना की जानकारी उन्हें करीब 40 मिनट बाद हुई। इस दौरान दोनों घायल सड़क पर ही पड़े रहे। चंद कदम की दूरी पर चौकी थी।

लखनऊ के चौक एरिया में सर्च अभियान, छतों पर ढूंढा 2 युवक गिरफ्तार

चाइनीज मांझे से पतंग उड़ाने वालों के लिए उड़ाया ड्रोन

- **निगोहां कस्बे में पुलिस ने चाइनीज मांझे के लिए दुकानों में छापेमारी की।**
- **निगोहां में पुलिस ने दुकानदारों से पतंग और मांझे बाहर निकलवाकर चेक किए।**
- **निगोहां कस्बे से कुछ मांझे बरामद किए**

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में चाइनीज मांझे से युवक की मौत और कुछ लोगों के घायल होने के बाद पुलिस एक्टिव हो गई है। पुलिस ने चाइनीज मांझे से पतंग उड़ाने वालों को पकड़ने के लिए ड्रोन उड़ाया। सोमवार को ड्रोन पुराने लखनऊ के चौक इलाके में उड़ा। यहां रूमी गेट चौकी से लेकर आसपास के इलाकों तक छतों पर सर्च अभियान चलाया। वहीं, बाजार खाला क्षेत्र के हैदरगंज चौराहे से 2 युवक गिरफ्तार भी किए गए हैं। ये दोनों चाइनीज मांझे से पतंग उड़ा रहे थे। यातायात पुलिस और स्थानीय लोगों ने दोनों युवकों को पकड़कर पुलिस बुला ली। उनके पास से चाइनीज मांझे की रील भी बरामद हुई। गिरफ्तार युवक शदफ पुत्र हैदर अली और अयान खान पुत्र चंदू खान हैं। दोनों गोमतीनगर के मलेशेमऊ के हैं।

चाइनीज मांझा से हुई मौत के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे प्रदेश में सख्त अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। सीएम ने स्पष्ट किया था कि चाइनीज मांझा से मौत के मामलों में हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाएगा। बेचने और इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी।

शदफ और अयान पतंग उड़ाने जा रहे थे। इन्हें रास्ते में ही हैदरगंज चौराहे पर पकड़ लिया गया।

गोमतीनगर के रहने वाले हैं युवक

बाजार खाला के SSI सुरेश सिंह के अनुसार, पकड़े गए युवकों में से 2 को चाइनीज मांझा और रील के साथ गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी गोमतीनगर क्षेत्र के रहने वाले हैं।घूम-घूमकर पतंगबाजी करते हैं। तीसरा युवक फरार हो गया था, जिसकी भूमिका की जांच की जा रही है।

एसएचओ ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अन्य संभावित स्थानों पर भी छापेमारी की जा रही है। चाइनीज मांझा रखने और इस्तेमाल करने के मामले में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि इस तरह की गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

बैंकॉक से आए यात्री के बैग से बरामद, तस्कर हिरासत में

एयरपोर्ट पर 2.05 करोड़ का हाइड्रोपोनिक गांजा पकड़ा

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट लखनऊ पर एक यात्री के बैग से 2.05 करोड़ रुपए का हाइड्रोपोनिक गांजा पकड़ा गया है। वह यात्री बैंकॉक से आया है। पुलिस ने हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

आरोपी यात्री को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गांजा/मारिजुआना के साथ पैकेजिंग सामग्री को जब्त कर लिया गया है। एयर इंटेलिजेंस के अनुसार जब्त हाइड्रोपोनिक गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2.05 करोड़ रुपए है। यह मादक पदार्थ अत्यधिक उच्च गुणवत्ता का बताया जा रहा है, जिसे विशेष रूप से विदेशी बाजारों में तैयार किया जाता है। एयरपोर्ट प्रशासन और जांच एजेंसियां इस बात की पड़ताल कर रही हैं कि आरोपी किस नेटवर्क के माध्यम से इस नशीले पदार्थ की तस्करी कर रहा था। इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि आगे की जांच जारी है और जल्द ही इस अंतरराष्ट्रीय तस्करी गिरोह से जुड़े और नाम सामने आ सकते हैं।

8 कुकी टिन बॉक्स में 5.88 किलो गांजा था

एयर इंटेलिजेंस अधिकारियों को बैंकॉक से आने वाली फ्लाइट को लेकर विशेष खुफिया जानकारी मिली थी। इसी आधार पर फ्लाइट संख्या FD-146 से लखनऊ पहुंचे एक भारतीय यात्री को जांच के लिए रोका गया। तलाशी के दौरान उसके ट्रॉली बैग में रखे 8 कुकी टिन बॉक्स संदिग्ध पाए गए।

जांच में सामने आया कि हर कुकी टिन बॉक्स के भीतर पॉलीथीन पाउच में हरे रंग का ऑर्गेनिक पदार्थ भरा हुआ था। मौके पर फील्ड डायग्नोस्टिक टेस्ट किट से जांच करने पर यह पदार्थ गांजा/मारिजुआना (हाइड्रोपोनिक वीड) पाया गया। बरामद नशीले पदार्थ का कुल वजन लगभग 5.88 किलोग्राम निकला।

डीएलएड प्रशिक्षुओं ने आयोजित की कृषि और पर्यावरण प्रदर्शनी

फरीदपुर जिला शिक्षा संस्थान में आधुनिक कृषि तकनीक और जैविक खेती पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

प्रदर्शनी में विभिन्न कृषि यंत्रों, उन्नत बीजों, उर्वरकों, सिंचाई उपकरणों, जैविक उत्पादों और नवीनतम तकनीकों को प्रशिक्षुओं ने अत्यंत बेहतरीन व सुनियोजित ढंग से प्रदर्शित किया गया। अपने मॉडल के संदर्भ में प्रशिक्षुओं द्वारा किसान, उन्नत खेती, जल संरक्षण, कीट नियंत्रण तथा फसल विविधीकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ देते हुए अपनी बात रखी गई।

बरेली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान फरीदपुर एवं निजी कॉलेज में प्रशिक्षणरत डी एल एड प्रशिक्षुओं के द्वारा ₹कृषि एवं पर्यावरण₹ विषय पर एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य आधुनिक कृषि तकनीकों, नवीनतम यंत्रों और जैविक खेती को प्रोत्साहित करना था।प्रदर्शनी का उद्घाटन संस्थान की प्राचार्या दीप्ति वार्ष्णेय द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया, इस दौरान कार्यक्रम की नोडल प्रवक्ता श्रीमती आकांक्षा, जिन्होंने इस कार्यक्रम को अच्छे से करवाया उनके साथ श्री विनोद कुमार एवं निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में डॉ.कुलदीप विश्नोई प्रधानाध्यापक,आदर्श निकेतन इंटर कॉलेज आटामांडा, बरेली से डॉ हेमंत कुमार सिंह प्रवक्ता,आर.पी.इंटर कॉलेज मीरगंज, बरेली तथा डॉ. अजब सिंह प्रवक्ता चौधरी हरनाम सिंह महाविद्यालय भुता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रशिक्षु एवं शिक्षक उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में विभिन्न कृषि यंत्रों, उन्नत बीजों, उर्वरकों, सिंचाई उपकरणों, जैविक उत्पादों और नवीनतम तकनीकों को प्रशिक्षुओं ने अत्यंत बेहतरीन व सुनियोजित ढंग से प्रदर्शित किया गया। अपने मॉडल के संदर्भ में प्रशिक्षुओं द्वारा किसान, उन्नत खेती, जल संरक्षण, कीट नियंत्रण तथा फसल विविधीकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ देते हुए अपनी बात रखी गई।

कार्यक्रम के अंत में श्री मनोज कुमार वरिष्ठ प्रवक्ता डायट फरीदपुर बरेली एवं निर्णायक मंडल के सदस्यों के द्वारा प्रथम तीन बेहतरीन मॉडल प्रस्तुत करने वाले प्रशिक्षुओं को मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

गुंडों का साथ छोड़ दे तो सपा स्वाहा हो जाएगी : केशव मौर्य

2027 नहीं, 2047 तक भी नहीं आएगी अखिलेश की सरकार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ में कहा है कि 2047 तक यूपी में सपा के आने की कोई संभावना नहीं है। वहीं, देश में 2047 तक कांग्रेस के भी आने की संभावना नहीं है। 2047 तक यूपी को और देश को विकसित बनाना, सपा और कांग्रेस के बूते और विजन की बात है ही नहीं। ये सोच ही नहीं सकते हैं। बस PDA की बात किया करते हैं। बहुत सारे लोग PDA का फॉर्मूला बताते रहते हैं। इनका PDA परिवार डेवलपमेंट एजेंसी है। ये गुंडों का साथ छोड़ दें तो समाजवादी पार्टी आज ही स्वाहा हो जाएगी, समाप्त हो जाएगी।

कांग्रेस के जो नेता हैं राहुल गांधी, सदन में उनकी बातें आप लोग सुनते हैं तो लगता है कि विश्व के सबसे लोकतांत्रिक देश का विपक्ष का नेता बोल रहा है? इतने घटिया विचार!, देश के प्रधानमंत्री को निशाना बनाने की कोशिश करते हैं! संसद की कार्रवाई चलने में बाधा डालते हैं! वही हाल यूपी विधानसभा में सपा का है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी का भाषण सुन लें। हम भी यूपी में विपक्ष में थे। राज्यपाल के अभिभाषण के बाद हमारे नेताओं के भाषण सुन लें। जब सपा की सरकार थी तो महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर हमारी प्रतिक्रिया क्या होती थी, सुन लें। लेकिन, सपा ने अराजकता और कांग्रेस भ्रष्टाचार-तुष्टीकरण की कोख से जन्म लिया है।

हमसे ज्यादा दृष्टि आप लोगों की रहती है

डिप्टी सीएम ने कहा- एक राजनीतिक कार्यकर्ता के नाते जितनी दृष्टि हम सब की रहती है, उससे ज्यादा दृष्टि आप लोगों की रहती है। इसीलिए केंद्रीय बजट में जो कुछ आया है, बहुत सारी चीज आप लोगों को पता हैं। व्यापारियों की सुरक्षा न हो तो क्या व्यापार कर पाएंगे क्या? समाजवादी पार्टी की जब सरकार थी तब व्यापारी घबराते थे। कहते थे कि हम कैसे व्यापार करेंगे, जब हमारा पैसा और हम नहीं सुरक्षित रह पाएंगे? हमारे उत्तर प्रदेश की सरकार उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की सुरक्षा की गारंटी है।

घर में बेहोश रिटायर डिप्टी कमीश्नर को पुलिस ने बचाया

लखनऊ। लखनऊ में पुलिस ने एक बुजुर्ग की जान बचा ली। बुजुर्ग अपार्टमेंट में अपने फ्लैट पर थे। पुलिस को सूचना मिली कि वह न फोन उठा रहे हैं, न ही कुछ बोल रहे हैं। इसके बाद पुलिस आनन-फानन में पहुंची। चौथी मंजिल पर चढ़कर 2 दरवाजे तोड़े। फ्लैट के अंदर दाखिल हुई तो देखा कि बुजुर्ग बेड पर लगभग अचेत पड़े थे। उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाया। मैक्स हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। घटना महानगर थाना क्षेत्र की सोमवार दोपहर की है। डोगरा कोठी में फ्लैट नंबर 405 पर रहने वाले 85 वर्षीय वंशीधर डोगरा फोन नहीं उठा रहे थे। उनकी मेड पहुंची लेकिन दरवाजा अंदर से नहीं खुला। वह वापस लौट गई। उनका केयरटेकर पहुंचा तब भी अंदर से दरवाजा नहीं खुला। काफी देर तक संपर्क न होने और दरवाजा न खुलने से आशंका गहराई तो पुलिस बुलाई गई। बुजुर्ग वंशीधर डोगरा जिओलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (GSI) से डिप्टी कमिश्नर पद से रिटायर हैं।

निर्देश : एक मजार का मिल सका है जवाब, अब 28 फरवरी तक का समय दिया

केजीएमयू में बनी मजारों को मिला दोबारा नोटिस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) प्रशासन परिसर में बनीं मजारों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। पहले नोटिस का संतोषजनक जवाब न मिलने के बाद KGMU प्रशासन ने परिसर में स्थित 5 मजारों को दोबारा नोटिस जारी कर दिया है। सभी मजार कमेटियों को 28 फरवरी तक कुल सचिव के समक्ष अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है।

KGMU प्रशासन की ओर से 22 जनवरी को परिसर में बनी मजारों को लेकर नोटिस जारी किया गया था। इस नोटिस के तहत मजारों की वैधता और उनके निर्माण से जुड़े दस्तावेज मांगे गए थे। हालांकि तय समय सीमा 7 फरवरी तक सिर्फ एक मजार कमेटी ने ही जवाब सौंपा।

KGMU परिसर की अन्य 5 मजार कमेटियों की ओर से पहले नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया गया। इसी को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने अब इन सभी मजारों को दोबारा नोटिस जारी किया है। प्रशासन का कहना है कि तय समय पर जवाब न देने को लापरवाही माना जाएगा। दूसरा नोटिस जिन मजारों को दिया गया है, उनमें क्वीन मैरी हॉस्पिटल परिसर में स्थित मजार, माइक्रोबायोलॉजी विभाग की मजार, न्यू बॉयज हॉस्टल परिसर की मजार, रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग की मजार और शताब्दी फेज-2 अस्पताल परिसर में बनी मजार शामिल हैं।

KGMU प्रशासन का दावा है कि परिसर में अवैध रूप से मजारे बनी हैं।

न्यू ऑर्थोपेडिक परिसर की मजार से मिला जवाब

न्यू ऑर्थोपेडिक परिसर में स्थित मजार की कमेटी ने प्रशासन को जवाब देते हुए इसे वर्ष 1947 से पहले का बताया है। कमेटी की ओर से दावा किया गया कि मजार ऐतिहासिक है और इसका अस्तित्व आजादी से पहले का है। प्रशासन इस जवाब की जांच कर रहा है।

एसआईआर-2026 के तहत नोटिस पाए मतदाताओं से दस्तावेज प्रस्तुत करने की अपील

निर्धारित तिथि पर उपस्थित न होने पर मतदाता सूची से नाम हटने की कार्रवाई

जांच

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआई-आर)-2026 के अंतर्गत जिले में मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अद्यतन बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इस क्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु ने बताया कि ऐसे मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा रहे हैं, जिनके नाम पिछले विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सके थे अथवा जिनके रिकॉर्ड में तार्किक विसंगतियां पाई गई हैं। निर्वाचन अधिकारियों ने दो टूक कहा है कि निर्धारित प्रक्रिया

दस्तावेज न देने पर नाम हटने की चेतावनी

निर्वाचन विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई मतदाता नोटिस में निर्धारित सुनवाई तिथि पर उपस्थित नहीं होता है या बूथ लेवल अधिकारी द्वारा मांगे जाने पर आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराता है, तो उसका नाम अंतिम रूप से प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा। यह अंतिम मतदाता सूची 10 अप्रैल 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

का पालन न करने की स्थिति में मतदाता सूची से नाम

आलेख्य प्रकाशन के बाद जारी किए जा रहे नोटिस

चुनाव कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा आलेख्य प्रकाशन के बाद संबंधित मतदाताओं की पात्रता की जांच की जा रही है। इसी प्रक्रिया के तहत चिन्हित मतदाताओं को नोटिस भेजे जा रहे हैं, ताकि उनके दस्तावेजों के आधार पर यह तय किया जा सके कि वे मतदाता सूची में शामिल होने के योग्य हैं या नहीं।

हटने की पूरी जिम्मेदारी स्वयं संबंधित मतदाता की होगी। विभाग की ओर से इस संबंध में किसी प्रकार की अतिरिक्त सूचना या अवसर बाद में नहीं दिया जाएगा। निर्वाचन विभाग का कहना है कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी और अद्यतन बनाना है, ताकि आगामी चुनावों में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की संभावना न रहे।

तार्किक विसंगतियों वाले मामलों की हो रही जांच

बताया गया कि एसआईआर-2026 के दौरान ऐसे मामलों को भी चिन्हित किया गया है, जिनमें मतदाता विवरण में तार्किक विसंगतियां पाई गई हैं। इनमें आयु, पते, नाम या अन्य विवरणों से जुड़ी त्रुटियां शामिल हो सकती हैं। इन विसंगतियों को दूर करने के लिए भी नोटिस जारी कर मतदाताओं से दस्तावेज मांगे जा रहे हैं।

सुनवाई के दिन अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के निर्देश

नोटिस प्राप्त करने वाले मतदाताओं से अपील की गई है कि वे नोटिस में निर्धारित तिथि को संबंधित निर्वाचक या सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करें। अधिकारियों का कहना है कि यह सुनवाई मतदाता की पात्रता सुनिश्चित करने की अंतिम प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

जलालपुर तहसील में भ्रष्टाचार के आरोप, न्यायिक कार्य बहिष्कार

चौथे दिन भी अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी, वादकारियों को हो रही परेशानी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जलालपुर बार एसोसिएशन ने तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर न्यायिक कार्य के बहिष्कार का निर्णय लिया है। यह फैसला एक आपात बैठक के बाद लिया गया, जिसमें तहसील के अधिकारियों और कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने के गंभीर आरोप लगाए गए। एसोसिएशन ने इस संबंध में उपजि-लाधिकारी को पत्र भेजकर न्यायिक व्यवस्था प्रभावित होने की जानकारी दी है। बार एसोसिएशन की ओर से उपजिलाधिकारी को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि तहसील में कार्यरत उपजिलाधिकारी सहित अन्य पीठासीन अधिकारियों और उनके स्टाफ का व्यवहार अधिवक्ताओं के प्रतिकूल है। आरोप लगाया गया है कि भ्रष्टाचार और मनमानी के कारण

न्यायिक कार्य सुचारु रूप से संपन्न नहीं हो पा रहा है, जिससे अधिवक्ताओं के साथ-साथ वादकारियों को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बार एसोसिएशन ने स्पष्ट किया है कि जब तक बार और बेंच की संयुक्त बैठक कर समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक अधिवक्ता न्यायिक कार्य में सहयोग नहीं करेंगे। संगठन का कहना है कि कई बार शिकायतों के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ, जिससे अधिवक्ताओं को यह कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा।

सोमवार को बहिष्कार के चौथे दिन भी अधिवक्ताओं ने अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रखा। इसके चलते तहसील में न्यायिक कार्य पूरी तरह से प्रभावित रहा। विभिन्न मामलों में तारीख पर पहुंचे वादकारियों को बिना काम के लौटना पड़ा, जिससे उन्हें समय और धन दोनों की हानि उठानी पड़ी। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती और तहसील में पारदर्शी व निष्पक्ष व्यवस्था सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। बार एसोसिएशन ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए निष्पक्ष जांच और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने पर जोर दिया है।

फास्ट न्यूज

8वीं की छात्रा फंदे पर लटकी मिली

प्रयागराज। प्रयागराज के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र में 14 साल की एक छात्रा की संदिग्ध हालात में मौत का मामला सामने आया है। आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली किशोरी घर के भीतर फांसी के फंदे पर लटकी मिली। परिजनों का कहना है कि पिता की डांट से नाराज होकर उसने आत्महत्या की, जबकि छात्रा से जुड़े एक युवक के आरोपों ने मामले को संदेह के घेरे में ला दिया है। उसका कहना है की घटना से ठीक पहले छात्र के सामने उसे मारपीट की गई थी।

कटका पुलिस ने वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

अम्बेडकरनगर। जनपद अम्बेड-करनगर के थाना कटका पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र में दर्ज एक आपराधिक मुकदमे में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने मामले में फरार चल रहे अभियुक्त प्रवीण चौहान को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान प्रवीण चौहान पुत्र आफत चौहान के रूप में हुई है। उसकी उम्र लगभग 29 वर्ष बताई जा रही है। अभियुक्त थाना कटका क्षेत्र के ग्राम नूरपुरकला (रामापुर) का निवासी है। पुलिस टीम ने उसे सोमवार को समय करीब 11:50 बजे गिरफ्तार किया।

कारोबारी से साइबर ठगी

प्रयागराज। प्रयागराज में एक कारोबारी से साइबर ठगी का मामला सामने आया है। यह ठगी अलग ही तरीके से की गई। कारोबारी के एकाउंट में 82 हजार 900 रुपये चेक के जरिये क्रेडिट कराया गया। इसके बाद शॉप पहुंचा युवक आईफोन ले गया। कई दिनों बाद कोरियर से चेक बाउंस होकर आ गया। हुआ यूं कि बैंक ने चेक मिलते ही कारोबारी के एकाउंट में 82 हजार 900 रुपये क्रेडिट शो कर दिया।

अंबेडकरनगर पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई, सुनी गईं शिकायतें

फरियादियों की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सोमवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आवेदकों की शिकायतें सुनीं। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में फरियादी उपस्थित रहे, जिन्होंने भूमि विवाद, मारपीट, पारिवारिक विवाद, धोखाधड़ी, पुलिस से संबंधित प्रकरणों सहित अन्य समस्याएं सामने रखीं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित मामलों की वस्तुस्थिति की जानकारी ली। फरियादियों की समस्याओं को विस्तारपूर्वक समझते हुए उन्होंने निष्पक्ष और न्यायोचित समाधान का भरोसा दिलाया। जनसुनवाई के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी आवेदक की शिकायत अनसुनी न रहे और सभी मामलों को क्रमवार दर्ज किया जाए। प्राप्त शिकायतों के

निस्तारण के लिए संबंधित थाना प्रभारियों और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। स्पष्ट किया गया कि शिकायतों की जांच समयबद्ध तरीके से कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिन मामलों में तत्काल हस्तक्षेप आवश्यक था, वहां मौके पर ही निर्देश जारी किए गए। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि फरियादियों के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाया जाए और समस्याओं के समाधान में पारदर्शिता बनाए रखी जाए। साथ ही यह भी कहा गया कि जनसुनवाई में प्राप्त मामलों की नियमित समीक्षा की जाए, ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके।

नौगवा ग्राम पंचायत में विकास फंड की बंदरबांट के आरोप

नल रिबोरिंग से लेकर पंचायत भवन कार्यों तक अनियमितताओं का दावा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर विकासखंड अंतर्गत नौगवा ग्राम पंचायत में विकास कार्यों को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत में प्राप्त सरकारी विकास फंड का नियमानुसार उपयोग नहीं किया जा रहा है और प्रधान व पंचायत स्तर पर धन के दुरुपयोग की स्थिति बनी हुई है। मामले को लेकर ग्रामीणों ने सोशल मीडिया के माध्यम से शासन-प्रशासन से जांच की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार, ग्राम पंचायत में कराए गए नल रिबोरिंग कार्यों में भारी गड़बड़ी पाई गई है। कई स्थानों पर कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं, जबकि कुछ जगहों पर केवल कागजी औपचारिकताएं

पूरी कर भुगतान दर्शाए जाने का आरोप है। ग्रामीणों का कहना है कि मौके पर कार्य अपेक्षित मानकों के अनुरूप नहीं हैं। इसके अलावा पंचायत भवन की पुताई और भवन के सामने स्थित नाली को पाटकर रास्ता बनाने के कार्य को लेकर भी आपत्ति जताई जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह कार्य बिना किसी स्वीकृत प्रस्ताव, मास्टर रोल या तकनीकी स्वीकृति के कराया जा रहा है। न तो इन कार्यों से संबंधित सूचना पंचायत स्तर पर प्रदर्शित की गई और न ही ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी गई। जब ग्रामीणों ने इस संबंध में पंचायत सचिव से जानकारी मांगी तो उन्होंने किसी भी प्रकार के प्रस्ताव या मास्टर रोल की जानकारी होने से इनकार किया। सचिव के इस बयान को ग्रामीण कार्यों में अनियमितता का संकेत मान रहे हैं। उनका कहना है कि यदि कार्य स्वीकृत और वैध होते, तो उसका रिकॉर्ड पंचायत में उपलब्ध होता।

ग्रामीणों का यह भी कहना है कि विकास के नाम पर वर्षों से पंचायत स्तर पर धन का दुरुपयोग हो रहा है और इस बार मामला खुलकर सामने आया है। उनका दावा है कि यदि निष्पक्ष जांच कराई जाए तो बड़े स्तर पर वित्तीय अनियमितताएं उजागर हो सकती हैं।

जिले के शिक्षक श्याम सिंगार यादव को मिली राष्ट्रीय पहचान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (CCRT), नई दिल्ली द्वारा आयोजित रीजनल प्रस्तुति प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के अंबेड-करनगर जनपद के बेसिक शिक्षा विभाग के शिक्षक श्याम सिंगार यादव ने प्रभावशाली प्रस्तुति देकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। प्रतियोगिता का विषय "प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में विद्यालयों की भूमिका" रहा, जिसमें उनकी प्रस्तुति को जजों और दर्शकों से विशेष सराहना मिली।

सीसीआरटी द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में अब तक तीन राज्यों की प्रस्तुतियां हो चुकी हैं। इनमें उत्तर प्रदेश की ओर से प्रस्तुत श्याम सिंगार यादव की प्रस्तुति विषयवस्तु, भाव और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के स्तर पर अलग पहचान बनाने में सफल रही। सीसीआरटी के विशेषज्ञ निर्णायकों ने उनकी प्रस्तुति को समग्र, संतुलित और विषय के अनुरूप बताया। प्रस्तुति के दौरान श्याम सिंगार यादव ने सीसीआरटी द्वारा निर्धारित सभी विषयों को बिना किसी टॉपिक को छोड़े प्रस्तुत किया। इसमें अंबेडकरनगर स्थित श्रवण धाम की मातृ-पितृ भक्ति परंपरा, ताजमहल की प्रेम विरासत, वाराणसी की प्राचीन सभ्यता और घाट, अयोध्या में राम जन्मभूमि, मथुरा-वृंदावन की कृष्ण लीला, कथक नृत्य, बनारसी साड़ी, गंगा-यमुना की सांस्कृतिक महत्ता और दुधवा टाइगर रिजर्व जैसे विषय शामिल रहे। प्रस्तुति को प्रभावी बनाने के लिए भावपूर्ण शायरी, कथक की मुद्राएं और लोकनृत्य का प्रयोग किया गया।

सुबह खुला मिला घर का गेट, रात में बंद था दरवाजा, घटना को पुलिस ने बताया संदिग्ध

सुतहपारा गांव में लाखों के जेवर चोरी

घटना की सूचना मिलते ही जहांगीरगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। आसपास के लोगों से भी पूछताछ की गई है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के सुतहपारा गांव में एक घर से लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवर चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी है। चोरी की यह वारदात रविवार रात की बताई जा रही है, जिससे गांव में चर्चा का माहौल है।

पीड़ित सुभाष चंद्र प्रजापति के घर में हुई चोरी की जानकारी उनकी पत्नी सोनमती प्रजापति ने पुलिस को दी। उन्होंने बताया कि रविवार शाम वह एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गई थीं। देर रात घर लौटने के बाद उन्होंने मुख्य दरवाजा

और चैनल गेट बंद कर ताला लगाया था। घर में उस समय अन्य परिजन भी मौजूद थे। पीड़िता ने बताया कि चोरी हुए जेवरों में केवल उनके ही नहीं, बल्कि उनकी देवरानी और सास के आभूषण भी शामिल हैं। परिवार के अनुसार घर में रखे जेवर शादी-विवाह और अन्य पारिवारिक अवसरों के थे, जिन्हें सुरक्षित स्थान पर रखा गया था। थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। पीड़िता का कहना है कि रात में दरवाजा और चैनल गेट दोनों बंद थे, इसके बावजूद सुबह खुले मिले। ऐसे में घटना के सभी पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। मामले में जल्द ही स्थिति स्पष्ट होने और घटना का खुलासा करने का दावा किया गया है। फिलहाल पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सुबह खुले मिले दरवाजे, कमरे से गायब थे जेवर

सोमवार सुबह जागने पर सोनमती प्रजापति ने देखा कि घर का मुख्य गेट और चैनल गेट खुले हुए थे। जब वह कमरे के अंदर पहुंचीं तो वहां रखे सोने और चांदी के जेवर गायब मिले। अलमारी और अन्य सामान भी अस्त-व्यस्त पाए गए। पीड़िता के अनुसार चोरी गए जेवरों की अनुमानित कीमत करीब पांच लाख रुपये है।

निःशुल्क विधिक सहायता और जमानत से जुड़े मामलों की समीक्षा

जिला कारागार में विधिक साक्षरता शिविर, बंदियों के अधिकारों पर दी गई जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिला कारागार अम्बेडकरनगर में सोमवार को बंदियों के हितार्थ विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शैलेश कुमार मौर्य के नेतृत्व में हुआ। इस दौरान उन्होंने जिला कारागार का निरीक्षण भी किया।

शिविर में बंदियों को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से उपलब्ध निःशुल्क विधिक सेवाओं की जानकारी दी गई। सचिव ने जेल प्रशासन को निर्देश दिया कि बीएन-एसएस की धारा 479 से संबंधित विचाराधीन बंदियों और ऐसे बंदियों की सूची समय से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को उपलब्ध कराई जाए, जिनकी जमानत हो चुकी है

लेकिन जमानतदार के अभाव में रिहाई नहीं हो पा रही है। इससे आवश्यक विधिक प्रक्रिया के माध्यम से उनकी रिहाई का प्रयास किया जा सके। शिविर के दौरान 22 फरवरी 2026 को प्रस्तावित वृहद विधिक साक्षरता एवं सेवा शिविर की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि इस शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर जनकल्या-णकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा और पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। इसके लिए तहसील स्तर पर पूर्व में प्री-कैम्प भी आयोजित किए जाएंगे। कारागार निरीक्षण के दौरान सचिव ने बंदियों से भोजन, स्वास्थ्य, चिकित्सकीय सुविधा और मुकदमों की पैरवी की स्थिति के बारे में जानकारी ली। बंदियों से घरवालों से टेलीफोन पर बातचीत की व्यवस्था को लेकर भी चर्चा की गई। उन्होंने जेल प्रशासन को स्वच्छता बनाए रखने और बीमार बंदियों को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

महाशिवरात्रि और होली को लेकर भीटी थाने में पीस कमेटी बैठक

धर्मगुरुओं और संभ्रांत लोगों के साथ शांति व्यवस्था पर हुई चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आगामी महाशिव-रात्रि, होलिका दहन और होली पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना भीटी परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन पुलिस अधीक्षक अभिजित आर शंकर के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक भीटी वीरेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में किया गया।

बैठक में क्षेत्र के धर्मगुरु, जनप्रति-निधि और संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे। सभी से आगामी त्योहारों के दौरान आपसी सौहार्द, भाईचारा और शांति बनाए रखने में सहयोग की अपील की गई। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि महाशिवरात्रि, होलीका दहन और होली जैसे पर्व सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं, इन्हें शांतिपूर्ण वातावरण में मनाना सभी की

सामूहिक जिम्मेदारी है।

बैठक के दौरान संभावित संवेदनशील स्थानों, जुलूस मार्गों और पूजा स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने पर चर्चा की गई। पुलिस प्रशासन की ओर से स्पष्ट किया गया कि पर्वों के दौरान गश्त बढ़ाई जाएगी और किसी भी प्रकार की अफवाह या अव्यवस्था फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित लोगों से सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान देने और किसी भी आपत्तिजनक या उकसावे वाली सामग्री की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। कहा गया कि अफवाहों पर ध्यान न दें और शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। बैठक में धार्मिक आयोजनों के दौरान तय समय, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के निर्धारित मानकों और मार्ग व्यवस्था के पालन पर भी चर्चा हुई। आयोजकों से कहा गया कि किसी भी कार्यक्रम की पूर्व सूचना पुलिस को दें, ताकि आवश्यक सुरक्षा प्रबंध समय रहते किए जा सकें। प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय से ही पर्वों को सकुशल संपन्न कराया जा सकता है। किसी भी समस्या या विवाद की स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने की अपील की गई।

सलाह : शुरू होगा सामूहिक दवा सेवन अभियान, 28 फरवरी तक चलेगा कार्यक्रम

फ़ाइलेरिया उन्मूलन अभियान की शुरुआत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकर नगर। जिले में फ़ाइलेरिया रोग के उन्मूलन के लिए व्यापक स्तर पर सामूहिक दवा सेवन अभियान की शुरुआत मंगलवार से की जा रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी संजय कुमार शैवाल ने बताया कि ब्लाक जलालपुर में सामूहिक दवा सेवन अभियान तथा जिले के अन्य ब्लाकों के चिन्हित गांवों में केन्द्रित अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान 10 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक संचालित होगा।

अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जलालपुर के माध्यम से कुल 377 टीमें गठित की गई हैं। प्रत्येक टीम में दो सदस्य शामिल हैं, जो घर-घर जाकर अपने सामने ही दवा

का सेवन कराएंगे। इन टीमों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लक्षित आबादी तक दवा पहुंचे और उसका सही तरीके से सेवन हो।

टीमों की निगरानी के लिए ब्लाक स्तर से 63 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं, जो प्रतिदिन फील्ड में जाकर कार्यों का पर्यवेक्षण करेंगे। इसके साथ ही, 8 रैपिड रिस्पांस टीमों का गठन किया गया है। ये टीमें क्षेत्र में कहीं भी दवा सेवन के दौरान उत्पन्न होने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान करेंगी और आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराएंगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्पष्ट किया कि फ़ाइलेरिया उन्मूलन अभियान में दी जाने वाली दवाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और सामान्य परिस्थितियों में इनके कोई गंभीर दुष्प्रभाव नहीं होते। उन्होंने बताया कि दवा का सेवन खाली पेट नहीं किया जाना चाहिए और स्वास्थ्य कर्मी इस संबंध में लोगों को आवश्यक जानकारी देंगे।

जलालपुर में थ्री ड्रग थेरेपी, अन्य ब्लाकों में टू ड्रग थेरेपी

अभियान के तहत ब्लाक जलालपुर में थ्री ड्रग थेरेपी लागू की जाएगी, जिसमें अल्बेंडाजोल, डीईसी और आइवरमेक्टिन दवाओं का सेवन कराया जाएगा। यह दवाएं आयु वर्ग और लंबाई के अनुसार पात्र लोगों को दी जाएंगी। इस अभियान के माध्यम से जलालपुर ब्लाक में कुल 3,33,212 लोगों को आच्छादित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे फ़ाइलेरिया संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ा जा सके। वहीं, जलालपुर के अतिरिक्त जिले के अन्य सभी ब्लाकों के कुल 42 चिन्हित गांवों में टू ड्रग थेरेपी के तहत अल्बेंडाजोल और डीईसी दवाओं का सेवन कराया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, यह रणनीति संक्रमण की स्थिति और क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तय की गई है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों, गर्भवती महिलाओं और दो वर्ष से कम आयु के बच्चों को यह दवा नहीं दी जाएगी। इन वर्गों को अभियान से अलग रखते हुए अन्य सभी पात्र लोगों को दवा सेवन के लिए प्रेरित किया जाएगा।

सम्पादकीय

बंगाल में एसआईआर

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआइआर की प्रक्रिया के तहत जारी मसौदा सूची से 58 लाख नाम कटने के बाद जिस तरह करीब पांच लाख लोग सुनवाई प्रक्रिया में नहीं पहुंचे, उससे यह लगता है कि नाम कटने वालों का आंकड़ा 63 लाख तक पहुंच सकता है। चूंकि एसआइआर से जुड़े दावों और आपत्तियों पर सुनवाई की समयसीमा बढ़ा दी गई है, इसलिए यह नहीं कहा जा सकता कि लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए पर्याप्त अवसर नहीं दिया जा रहा है।

जिस तरह बंगाल में लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से कटे हैं, उसी तरह कुछ अन्य राज्यों में भी ऐसा ही हुआ है। आम तौर पर ये वे लोग हैं, जो अन्यत्र चले गए अथवा अपने पते-ठिकाने पर नहीं रह रहे या फिर जिनका निधन हो गया है। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि बिहार में भी इसी कारण अच्छी खासी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर हुए थे।

अब यदि बंगाल में भी ऐसा होने जा रहा है तो ऐसे किसी नतीजे पर पहुंचने का कोई मतलब नहीं कि जानबूझकर लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं, लेकिन ममता बनर्जी ने अपने इसी आरोप के साथ पहले तो धरने-प्रदर्शन की राजनीति की, फिर अपना पक्ष रखने वकील की हैसियत से स्वयं सुप्रीम कोर्ट पहुंच गईं।

इसका उद्देश्य यह संदेश देना था कि चुनाव आयोग बंगाल के लोगों के साथ अन्याय कर रहा है, लेकिन इसमें वे नाकाम रहीं। आखिर जब सुप्रीम कोर्ट एसआइआर से जुड़ी विसंगतियों पर निगाह रख रहा है और इस संदर्भ में आवश्यक आदेश-निर्देश भी दे रहा है, तब फिर मतदाता सूचियों को शुद्ध करने की इस प्रक्रिया के विरोध का कोई औचित्य नहीं।

यह विचित्र ही है कि ममता बनर्जी एसआइआर में विसंगतियों को इंगित करने के बजाय यह चाह रही हैं कि यह प्रक्रिया हो ही ना। चुनाव आयोग को समय-समय पर एसआइआर की प्रक्रिया करनी ही चाहिए, क्योंकि इसी से मतदाता सूचियां दुरुस्त होंगी और दुरुस्त मतदाता सूचियां निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव की बुनियाद हैं। बंगाल में एसआइआर का विरोध इसलिए हो रहा है, क्योंकि इससे अवैध बांग्लादेशियों के नाम कट सकते हैं।

पता नहीं ऐसा होगा या नहीं, लेकिन भारत सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यदि एसआइआर के जरिये बांग्लादेशी घुसपैठिये चिह्नित हों तो उन्हें निष्कासित करने का काम हर हाल में किया जाए। यह ठीक नहीं कि भारत सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने की बातें तो बार-बार करती है, लेकिन इसके लिए कोई प्रभावी अभियान नही चलाती। समझना कठिन है कि मतदाता सूचियों में संशोधन-परिवर्तन के साथ राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर अर्थात एनआरसी को क्यों नहीं शुरू किया जा रहा है?

क्या सिर्फ जातिवाद ही भेदभाव का आधार है

> यूजीसी का कानून बनाने वालों की पूरी सोच यह है कि ओबीसी, एससी और एसटी पीड़ित और शोषित हैं और सवर्ण इनका उत्पीड़न और शोषण करते हैं। अगर सवर्ण समाज यह सब बंद कर दे तो देश से जातिगत भेदभाव खत्म हो जाएंगे।

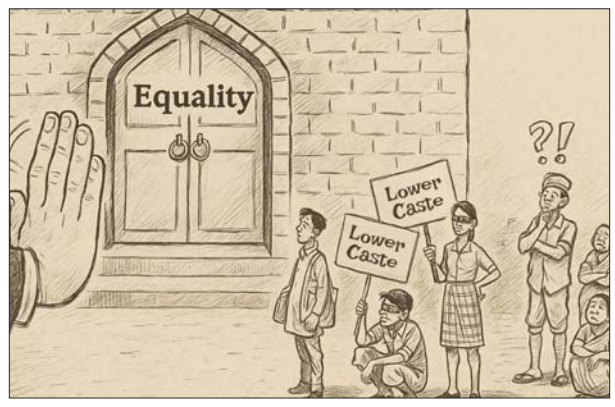

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यूजीसी गाइडलाइंस पर रोक लगाने के बावजूद मामला शांत होता दिखाई नहीं दे रहा है। मेरा मानना है कि ये मामला बहुत दूर तक जाएगा। ऐसा लगता है कि अदालत का फैसला आने के बाद भी यह मामला पूरी तरह से खत्म होने वाला नहीं है। यूजीसी मामला भाजपा के लिए 'आगे कुआं, पीछे खाई' जैसा हो गया है। मोदी सरकार के लिए इस कानून का समर्थन करना जितना नुकसानदेह है, उतना ही इसका विरोध करना है । भाजपा को अब एक ऐसा रास्ता निकालना होगा जिससे सभी को जीत का अहसास हो। किसी को समझ नहीं आ रहा है कि मोदी सरकार को ऐसा कानून लाने की क्या जरूरत पड़ गई थी। ऐसा लगता है कि पिछड़ी जातियों का अपने पक्ष में ध्रुवीकरण करने के लिए ये कानून लाया गया है।

ऐसा नहीं हो सकता कि भाजपा को इस कानून के आने के बाद सवर्ण जातियों के नाराज होने का अहसास न हो लेकिन उसे इतने बड़े विरोध का अंदाजा नहीं था। यूजीसी कानून के खिलाफ सवर्ण समाज का विरोध धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा था. इससे भाजपा को अहसास हो गया होगा कि उसने कितनी बड़ी गलती कर दी है। इसके अलावा सोशल मीडिया में भाजपा का बड़ा समर्थक वर्ग उसके खिलाफ मैदान में उतर आया है । भाजपा हमेशा राजनीतिक रूप से बहुत सतर्क रहती है. जब उसे गलती का अहसास होता है तो पीछे हटने में देर नहीं लगाती। भाजपा को अहसास हो गया है कि उससे गलती हो गई है, इसलिए वो मुद्दे के शांत होने का इंतजार कर रही है। यूजीसी की नई गाइडलाइंस का समर्थन करना किसी के लिए भी आसान नहीं है क्योंकि ये न्याय के प्राकृतिक सिद्धांतो के ही खिलाफ है । सामाजिक न्याय की स्थापना के नाम सामाजिक अन्याय करने की कोशिश इस कानून द्वारा की गई है। एक वर्ग, समूह या नस्ल द्वारा किसी दूसरे का उत्पीड़न, शोषण और भेदभाव का पुराना इतिहास है, जो आज भी चल रहा है। कोई अगर कहता है कि अब भारत में जातिगत भेदभाव दूर हो गया है तो इससे बड़ा झूठ नहीं हो सकता। आज भी हमारे देश में जाति के आधार पर भेदभाव जारी है, बेशक इसमें कमी आयी है। ग्रामीण क्षेत्र में आज भी ये भयानक रूप में मौजूद हैं लेकिन शहरी क्षेत्र में इसका असर काफी कम हो गया है। बेशक शहरी क्षेत्रों में इसमें कमी आयी है लेकिन यह खत्म नहीं हुआ है। सच तो यह भी है कि हमारे देश में जातिगत भेदभाव दूर करने की जगह उसके नाम पर सिर्फ राजनीति हुई है। जाति को खत्म करने के नाम पर कितने ही राजनीतिक और सामाजिक संगठन काम कर रहे हैं लेकिन दूसरी तरफ यही संगठन जातियों को मजबूत कर रहे हैं।

मेरा मानना है कि जातियों को खत्म करने की जगह जातिगत भेदभाव खत्म करना जरूरी है क्योंकि जाति खत्म होने की उम्मीद तो दूर-दूर तक दिखाई नहीं दे रही है। वैसे भी जाति समस्या नहीं है, जाति आधारित भेदभाव समस्या है। सवाल यह है कि क्या भेदभाव सिर्फ जाति के आधार पर ही होता है। यूजीसी ने शिक्षण संस्थानों में समानता के नाम पर 'समता विनियम, 2026' के नाम से गाइडलाइंस जारी की हैं, सवाल यह है कि सिर्फ जातिगत भेदभाव दूर करके क्या समाज में समानता आ जायेगी। दूसरी बात यह है कि जो कानून समानता लाने के लिए लाया गया है, क्या वही असमानता नहीं पैदा कर सकता है । कानून बनाने से अगर जातिगत भेदभाव खत्म होता तो ये कब का खत्म हो गया होता। यूजीसी की गाइडलाइंस को देखकर लगता है कि 'सामाजिक न्याय' के नाम पर उसने अन्यायपूर्ण व्यवस्था खड़ी करने की कोशिश की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यूजीसी गाइडलाइंस के नियम स्पष्ट नहीं हैं क्योंकि इसमें ओबीसी जातियों को एससी-एसटी के साथ रख दिया गया है। सवाल यह भी है कि क्या एससी/एसटी के साथ भेदभाव सिर्फ सवर्ण समाज द्वारा ही किया जाता है । आंकड़े कहते हैं कि दलित और आदिवासियों के साथ होने वाले भेदभाव की 80% शिकायतें पिछड़ी जातियों से संबंधित हैं । दूसरा सच यह है कि इनमें से ज्यादातर शिकायतें झूठी पाई जाती हैं। यही कारण है कि एससी/एसटी उत्पीड़न कानून के दुरुपयोग के विरोध में आवाज सुनाई देती है। इतना सख्त कानून होने के बावजूद भेदभाव खत्म नहीं किया जा सका है क्योंकि भेदभाव की वजह सिर्फ जाति नहीं है। एससी/एसटी के साथ होने वाले भेदभाव की बड़ी वजह उनकी गरीबी भी होती है। गरीबी के कारण ही ये लोग अपने साथ होने वाले शोषण और उत्पीड़न के खिलाफ लड़ नहीं पाते हैं। यूजीसी को जवाब देना चाहिए कि उसके कानून से अगर एससी/एसटी के साथ होने वाला भेदभाव दूर नहीं हो सका है तो इसमें ओबीसी को शामिल करने का क्या औचित्य है।

सच तो यह है कि एक दलित जाति दूसरी दलित जाति का उत्पीड़न करती है। ओबीसी एससी-एसटी का उत्पीड़न करते हैं, एक ओबीसी जाति दूसरी जाति का उत्पीड़न करती है। कुछ ओबीसी जातियां तो इतनी साधन-सम्पन्न हैं कि सवर्ण उनके साथ भेदभाव कर ही नहीं सकते। भारत में जातियों की व्यवस्था इतनी उलझी हुई है कि उसको समझना बहुत मुश्किल है। जहां कमजोर दलित और आदिवासी अपने साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ लड़ नहीं पाते हैं तो दूसरी तरफ इसी समाज के मजबूत लोग इन कानूनों का दुरुपयोग करते हैं। इस कानून की समस्या यह है कि इसमें शिक्षण संस्थाओं में मौजूद लगभग सभी लोगों को शामिल कर लिया गया है । मामला सिर्फ छात्रों तक सीमित नहीं रहा है बल्कि इसमें शिक्षण और गैर-शिक्षण कार्यो में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों को भी शामिल कर लिया गया है। सवाल यह है कि लिंग, नस्ल, रंग और क्षेत्र के आधार पर होने वाले भेदभाव को खत्म करने के लिए कौन सा कानून आने जा रहा है। आर्थिक आधार पर होने वाले भेदभाव को रोकने के लिए क्या किया जा सकता है। यूजीसी की गाइडलाइंस कहती हैं कि अगर पीड़ित को लगा कि आरोपी ने उसके साथ उसकी जाति के कारण दुर्व्यवहार किया है तो वो सजा का हकदार होगा। आरोपी ने ऐसा नहीं किया है, ये साबित करने की जिम्मेदारी भी आरोपी पर ही होगी। इसका मतलब है कि पीड़ित के कहने भर से आरोपी को अपराधी मान लिया जाएगा। सवाल यह है कि अगर पीड़ित एससी/एसटी समुदाय से हुआ और आरोपी ओबीसी समुदाय से हुआ तो क्या किया जाएगा, इस बारे में कानून स्पष्ट नहीं है। इस कानून में ईडब्ल्यूएस को भी शामिल किया गया है । सवाल उठता है कि इस वर्ग से आने वाला पीड़ित क्या दलित, आदिवासी और पिछड़ी जातियों से संबंधित आरोपी के खिलाफ शिकायत कर सकता है। अगर कर सकता है तो क्या कानून का रूप वही रहेगा। इस तरह से तो लगता है कि शिक्षण संस्थान शिक्षा का नहीं, बल्कि युद्ध का मैदान बन जाएंगे ।

- राजेश कुमार पासी

तकनीक ने हमारी दुनिया...

बाबूलाल नागा

बदलते समय में नागरिक विवेक की परीक्षा

दुनिया आज मेरे आगे खड़ी है—तेज रफ्तार, चमकदार दावों और असहज सवालों के साथ। यह वह दुनिया है जो पहले से कहीं अधिक जुड़ी हुई है पर उतनी ही बिखरी भी। तकनीक ने सीमाएं मिटाई हैं लेकिन मानवीय संवेदनाओं के बीच कई नई दीवारें भी खड़ी कर दी हैं। सूचना की बाढ़ में सच तैर रहा है पर शोर इतना अधिक है कि उसकी आवाज अक्सर दब जाती है। ऐसे समय में नागरिक होना केवल अधिकारों की सूची तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि यह विवेक, जिम्मेदारी और नैतिकता की सतत परीक्षा बन चुका है।

तकनीक ने हमारी दुनिया को छोटा कर दिया है। एक क्लिक में महाद्वीप सिमट जाते हैं, सूचनाएं पल भर में पहुंच जाती हैं पर क्या इससे दिलों की दूरी भी कम हुई है? यह प्रश्न आज भी उत्तर की प्रतीक्षा में है। सोशल मीडिया ने हर व्यक्ति को अभिव्यक्ति का मंच दिया लेकिन दुर्भाग्य से हर मंच संवाद में नहीं बदल पाया। यहां त्वरित प्रतिक्रिया को बुद्धिमत्ता समझ लिया गया और असहमति को शत्रुता। परिणामस्वरूप, बहस का स्तर गिरा है और समाज में ध्रुवीकरण का ताप लगातार बढ़ा है। सवाल यह नहीं कि कौन सही है बल्कि यह है कि क्या हम एक-दूसरे को धैर्यपूर्वक सुनने के लिए तैयार हैं।

लोकतंत्र को अक्सर केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित कर दिया जाता है, जबकि वास्तव में लोकतंत्र रोजमर्रा के व्यवहार में जीवित रहता है। कतार में खड़े होने से लेकर सार्वजनिक संसाधनों के उपयोग तक, नियमों का पालन करना ही लोकतांत्रिक संस्कारों की पहचान है। जब हम नियम तोड़कर 'छोटा सा फायदा' उठा लेते हैं, तब उसी क्षण लोकतंत्र को भीतर से कमजोर कर देते हैं। नागरिक विवेक का अर्थ है—अपने निजी लाभ से पहले सार्वजनिक हित को देखना। यह मार्ग कठिन अवश्य है लेकिन लोकतंत्र की मजबूती के लिए अनिवार्य भी।

आज आर्थिक प्रगति का शोर बहुत है। विकास के आंकड़े चमकते हैं, नई परियोजनाओं के दावे होते हैं लेकिन उनकी रोशनी में कई चेहरे छाया में चले जाते हैं। बेरोजगारी, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की असुरक्षा, ग्रामीण संकट और महिलाओं की सुरक्षा जैसे मुद्दे केवल रिपोर्टों के शीर्षक नहीं बल्कि करोड़ों लोगों के रोज़मर्रा के अनुभव हैं। जब नीतियां बनती हैं, तो उनका मूल्यांकन इस कसौटी पर होना चाहिए कि वे समाज के सबसे कमजोर वर्ग तक कितनी प्रभावी रूप से पहुंचती हैं। विकास वही सार्थक है जो सम्मान और अवसर—दोनों प्रदान करे। शिक्षा का प्रश्न भी इसी संदर्भ में खड़ा है। शिक्षा केवल डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं बल्कि सोचने-समझने की दृष्टि विकसित करने की प्रक्रिया है। जब पाठ्यक्रम सवाल पूछने से डरने लगें, जब विश्वविद्यालय संवाद की जगह विवाद का मैदान बन जाएं, तब समाज का बौद्धिक स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है। हमें ऐसी शिक्षा प्रणाली चाहिए जो रोजगार तो दे ही, उससे पहले विवेक दे—जो विज्ञान और आस्था को टकराव में न खड़ा करे बल्कि दोनों को मानवता की सेवा में जोड़े।

पर्यावरण आज हमारी पीढ़ी की सबसे बड़ी नैतिक चुनौती है। जलवायु परिवर्तन भविष्य का कोई अमूर्त खतरा नहीं, बल्कि वर्तमान की कठोर सच्चाई है। सूखते जलस्रोत, अनियमित मानसून, बढ़ता तापमान और बिगड़ता पारिस्थितिकी तंत्र—ये सभी संकेत हैं कि प्रकृति हमारे व्यवहार का हिसाब मांग रही है। विकास और पर्यावरण को आमने-सामने खड़ा करना एक झूठा द्वंद्व है। सच्चा विकास वही है जो आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों और संसाधनों की रक्षा करे।

दुनिया मेरे आगे तब और कठिन हो जाती है जब असहिष्णुता सामान्य व्यवहार बन जाती है। भाषा, पहनावा और भोजन जैसे विषयों पर पहचान की राजनीति तेज हो जाती है जबकि सच यह है कि विविधता हमारी ताकत है, बोझ नहीं। भारत की आत्मा बहुलता में बसती है। इसे संकीर्णता और नफरत से बचाना हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। सहमत होना आवश्यक नहीं, लेकिन सम्मान देना आवश्यक है—यही लोकतांत्रिक संस्कृति की पहचान है। मीडिया की भूमिका भी इस समय निर्णायक है। सनसनी तात्कालिक लाभ दे सकती है, लेकिन भरोसा नहीं।

वैश्विक आकर्षण का केंद्र बनता भारत

हाल में भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते के फ्रेमवर्क के तहत अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर टैरिफ 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया। टैरिफ में यह बड़ी कमी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है। इस समझौते से जहां कई क्षेत्रों में भारत से अमेरिका को निर्यात बढ़ेगा, वहीं भारत में अमेरिकी निवेश में भी वृद्धि होगी। साथ ही दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई दिशा मिलेगी। वैश्विक कंपनियां चीन के विकल्प के रूप में भारत में निवेश बढ़ाएंगी और भारत का निर्यात तेजी से बढ़ेगा। इससे भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिकी बनने की दिशा में और तेजी से बढ़ेगा। गत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा भी कि अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ हुए व्यापार समझौते भारत की बढ़ती आर्थिक अहमियत के प्रतीक हैं। नई वैश्विक व्यवस्था भारत की ओर झुकती दिखाई दे रही है। पहले कहा जाता था कि भारत अवसर गंवा देता है, लेकिन अब दुनिया का मानना है कि यदि वे तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था से नहीं जुड़े, तो महत्वपूर्ण अवसर खो देंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत का तेज आर्थिक विकास और महंगाई पर नियंत्रण एक दुर्लभ संयोजन है। मजबूत बुनियादी ढांचा, विशाल घरेलू बाजार, मध्यवर्ग की बढ़ती क्रयशक्ति, एमएसएमई की गति, ऊर्जा विकास, युवा शक्ति, डिजिटल प्रगति तथा मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र की ताकत ने भारत को दुनिया के लिए आकर्षक बना दिया है। इसी कारण विकसित देश भारत से द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) कर रहे हैं। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के फ्रेमवर्क के अनुसार भारत मक्का, गेहूं, चावल, सोया, पोल्ट्री, दूध, पनीर, इथेनाल, तंबाकू, कुछ सब्जियों और मांस जैसे संवेदनशील कृषि एवं डेरी उत्पादों के मामले में पूरी तरह सुरक्षित है।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

आधुनिक...

उमेश कुमार साहू

महाशिवरात्रि : चेतना के शिखर पर जीवन के रूपांतरण का महापर्व

भारतीय मनीषा में महाशिवरात्रि केवल पंचांग की एक तिथि नहीं बल्कि चेतना के ऊर्ध्वगमन की एक वैज्ञानिक और आध्यात्मिक घटना है। जब फाल्गुन मास की कृष्ण चतुर्दशी की गहन कालिमा अपने चरम पर होती है, तब ब्रह्मांड का हर कण उस 'महाशून्य' की ओर झुकता है जिसे हम 'शिव' कहते हैं। यह पर्व शिव की पूजा मात्र नहीं है, बल्कि स्वयं के भीतर छिपे 'शिवत्व' की खोज है, एक ऐसी यात्रा जो हमें खंडित व्यक्तित्व से अखंड बोध की ओर ले जाती है। विज्ञान कहता है कि ब्रह्मांड का अधिकांश हिस्सा 'अस्तित्वहीन रिक्तता' है, जिसे हम डार्क मैटर या डार्क एनर्जी के करीब मान सकते हैं। अध्यात्म उसी रिक्तता को 'शिव' कहता है। 'शिव' का शाब्दिक अर्थ ही है - 'वह जो नहीं है'। महाशिवरात्रि उस रिक्तता का उत्सव है। आज का मनुष्य 'संग्रह' और 'होने' की अंधी दौड़ में इतना थक चुका है कि वह 'रिक्त' होने का आनंद भूल गया है। शिव हमें सिखाते हैं कि जब तक आप भीतर से खाली (शून्य) नहीं होंगे, तब तक ईश्वरत्व की पूर्णता आपमें नहीं भर पाएगी। यह पर्व अहंकार के विसर्जन से अस्तित्व के विराट उत्सव तक पहुँचने का सेतु है।

आधुनिक भौतिकी और शिव के नृत्य में गहरा संबंध है। विश्व की सबसे बड़ी वैज्ञानिक प्रयोगशाला 'सर्न' (CERN) के बाहर नटराज की विशाल प्रतिमा का होना कोई संयोग नहीं है। वैज्ञानिकों ने माना है कि ब्रह्मांडीय कणों का सृजन और विनाश (Creation and Destruction of subatomic particles) ठीक उसी लय में होता है जैसे शिव का तांडव। महाशिवरात्रि हमें याद दिलाती है कि यह संसार स्थिर नहीं है, बल्कि एक निरंतर ऊर्जा का कंपन है। शिव का डमरू उस 'बिग बैंग' की ध्वनि है जिससे सृष्टि का विस्तार हुआ। जब हम शिवरात्रि की रात जागते हैं, तो हम

ब्रह्मांड की इसी मौलिक ऊर्जा के साथ तालमेल बिठाने का प्रयास करते हैं। शिव का 'नीलकंठ' स्वरूप आज के कॉरपोरेट और सामाजिक नेतृत्व के लिए सबसे बड़ा पाठ है। समुद्र मंथन से उत्पन्न विष को पीना पलायन नहीं, बल्कि एक सजग चुनाव था। शिव सिखाते हैं कि जो समाज के विष (बुराई, द्वेष, संकट) को पीकर उसे अपने भीतर रूपांतरित करने का साहस रखता है, वही महादेव कहलाने का अधिकारी है। आज जब हर व्यक्ति सुख के अमृत की ओर भाग रहा है और दुखों का विष दूसरों पर उगल रहा है, तब शिव का संयम हमें यह प्रश्न करने पर विवश करता है - ₹क्या हम अपने हिस्से की कड़वाहट पीकर दुनिया को थोड़ी मिठास दे पा रहे हैं?शिव और शक्ति का मिलन केवल दो देहों का संगम नहीं, बल्कि पुरुषत्व और स्त्रीत्व के पूर्ण संतुलन का प्रतीक है। शिव 'महायोगी' होकर भी 'महागृहस्थ' हैं। एक ओर वे श्मशान की भस्म में वैराग्य ढूंढते हैं, तो दूसरी ओर हिमालय की चोटियों पर पार्वती के साथ गृहस्थी का धर्म निभाते हैं। उनका परिवार, जहाँ सिंह और बैल, मोर और सर्प जैसे घोर विरोधी स्वभाव एक साथ रहते हैं, इस बात का प्रमाण है कि विविधता का सम्मान ही शांति का एकमात्र मार्ग है।

जरा हटके

राष्ट्रपति ट्रम्प और...

विजय सहगल

अमेरिका - भारत टैरिफ डील

2-3 फरवरी, सोमवार की देर रात अमेरिका और भारत के बीच बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते की अंततः घोषणा हो गयी। अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रम्प ने इस व्यापार समझौते की घोषणा करते हुए तत्काल प्रभाव से अमेरिकन टैरिफ 18% होने की घोषणा की। अमेरिका ने अनेकों हथकंडे और दबाव की नीति के तहत भारत पर रूस से तेल खरीदने पर 25% की पेनल्टी एवं 25% अमेरिकन टैरिफ इस तरह कुल 50% का टैरिफ लगाया था। अमेरिका को उम्मीद थी कि भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिका सरकार से इस टैरिफ को कम करने के लिए अमेरिका से अनुनय-विनय कर याचना करेंगे परंतु उनकी अपेक्षा के विपरीत भारत ने उनकी धमकी और दबाव के विरुद्ध उनकी घुड़कियों को नज़रअंदाज़ करने की नीति पर अमल किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडा मे 16-17 जून 2025 को जी7 शिखर सम्मेलन की बापसी के दौरान ट्रम्प के मिलने के आमंत्रण को ठुकरा दिया क्योंकि उन्हें उड़ीसा में पवित्र महाप्रभु की भूमि की पूर्वनियोजित यात्रा करनी थी। यहाँ तक कि प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ अवसरों पर ट्रम्प के टेलिफोन कॉल को भी अटेंड करना आवश्यक नहीं समझा। बड़बोले ट्रम्प की हर बात पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त न करने की प्रधानमंत्री मोदी की नीति ने आखिरकार ट्रम्प को मजबूरन भारत के अपने स्वाभिमानी निर्णयों पर अडिग रहकर अमेरिका को घुटनों पर ला दिया और पूर्व में अपने 50% टैरिफ को 18% पर ला दिया। प्रधानमंत्री मोदी के, पूर्व प्रधानमंत्री स्व॰ मनमोहन सिंह से कितने भी मत- मतांतर रहे हों लेकिन स्व॰ मनमोहन सिंह ने 27 अगस्त 2012 को संसद भवन के बाहर एक प्रसिद्ध शेर कहा था जो कि इस अमेरिका और भारत के बीच हुए इस व्यापारिक समझौते पर पूरी तरह से फिट बैठती है:- हजारों जवाबों से अच्छी है मेरी खामोशी, न जाने कितने सवालों की आबरू रखी₹। अमेरिका के राष्ट्रपति के हर डींग हाँकने और बड़बोलेपन पर प्रधानमंत्री मोदी की

खामोशी ने अमेरिका को भारत से समझौते के लिए मजबूर करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। पिछले एक वर्ष से अमेरिकन राष्ट्रपति ने अपने टैरिफ आतंक से दुनियाँ भर के देशों की अर्थव्यवस्था को हिला कर रख दिया परंतु प्रधानमंत्री मोदी की आपदा में अवसर तलाशने की अपनी नीति पर चलने के कारण भारत की अर्थव्यवस्था इन सभी संकटों से अछूती रही। जिस भारतीय आर्थिक विकास को अमेरिकन राष्ट्रपति ने मृत इकोनॉमी बताया था और उनके वक्तव्य पर भारत के विपक्षी दलों ने अपने देश के अर्थशास्त्रियों को कमतर आँकते हुए, अमेरिका के राष्ट्रपति के सुर में सुर मिला कर अपनी सहमति जतलायी और सरकार के अर्थशास्त्रियों की योग्यता, श्रेष्ठता और पात्रता पर सवालिया निशान लगाये, अब अमेरिका से हुए व्यापारिक समझौते पर बगले झांक रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प और भारत के राहुल गांधी जिस भारतीय अर्थव्यवस्था को डैड इकोनॉमी बतला कर भारतीय अर्थव्यवस्था का मखौल उड़ा रहे थे, उसी भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास की दर को विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिये 7.2% की दर से विश्व में सर्वाधिक गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बतलाया है। यह विश्व बैंक की पूर्व के 6.3% के अनुमान से बड़ी बढ़ोतरी है जो मजबूत घरेलू मांग और उपभोग को दर्शाता है। इसलिए अमेरिका से व्यापारिक समझौते की वार्ता के समानान्तर भारत ने जापान, दक्षिण कोरिया आसियान क्षेत्र के देशों, दक्षिण सार्क देशों, मॉरिशस, संयुक्त अरब अमीरात, आस्ट्रेलिया सहित 13 अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए और हाल ही में 27 जनवरी 2026 को भारत और यूरोपियन यूनियन के 27 देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गये।

सत्य की खोज और अनाग्रह

आप अच्छे है या बुरे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता हैं । आप सहज नही तो आप कभी भी शांत नही हैं । अच्छा या बुरा तो दूसरों का दृष्टिकोण और दूसरों को प्रभावित करता है। वह सहजता को खोकर जीना तो स्वयं के लिये हानिकारक होता हैं । अतः हम सहजता न खोये । सहजता ही तो स्वयं से स्वयं की पहचान है । प्रेक्षाध्यान का सूत्र आत्मा के द्वारा आत्मा को हम देखें । ये तभी सम्भव है जब हम सहजता न खोये । अनेकांतवाद धर्म का मार्ग है । एक ही बात के एक से अधिक दृष्टिकोण हो सकते हैं । वह सभी एकदम सही भी हो सकते हैं । वह अपना नजरिया ही ठीक हैं यह मानकर दूसरे का गौण नहीं किया जा सकता हैं । वह इसके अनेक उदाहरण हो सकते हैं।जैसे सिक्के के दो पहलू अंग्रजी के 6 और 9 आदि। हम एक और उदाहरण लेते है कि एक ने कहा 6+3 नौ होते हैं। वह दूसरे ने कहा 5+4 नौ होते हैं।वह तीसरे ने कहा 2+7 नौ होते हैं । वह चौथे ने कहा 1+8 नौ होते हैं । वह पांचवे ने कहा 10 से पहले 9 आता हैं । यह पांचों ही उत्तर शतप्रतिशत सही हैं। अतः हम अपनी अपनी सोच पर अड़ें नहीं। ऐसे उदाहरण और भी हैं । अतः उनको स्वीकार कर चलना चाहिए कि केवल हम ही नहीं दूसरे भी अपने दृष्टिकोण से ठीक हो सकते हैं । अतः हम हठधर्मी न होकर दूसरों के दृष्टिकोण को भी आदर दें । वह जो व्यक्ति खोज में चलता हैं । वह खोज करता रहता हैं । उसे कुछ विशिष्ट मिल जाता हैं । सत्य की खोज और अनाग्रह जहां ये दो हैं, वहां एक से एक बढ़कर सचाइयां मिलती रहती हैं । वह जहां आग्रह हैं, सत्य की खोज नहीं हैं , वहां कुछ मिलता नहीं हैं । भगवान महावीर का एक वचन हैं स्वयं सत्य खोजों । सत्य को खोजते रहों , संतुष्ट मत बनों । यह मत सोचों कि मैंने बहुत जान लिया , बहुत कर लिया। जाना कितना हैं ? ज्ञान का महासागर हैं । समुद्र की बूंद जितना जाना हैं । वह पूरा महासागर जानने के लिए फैला हुआ हैं । हमारे यदि यह भावना रहें तो नए नए ज्ञान के विकास हो सकतें हैं । वह यह भावना न हो और आग्रह प्रबल हो जाए तो सत्य प्राप्त नहीं हो सकता हैं । जीवन व्यवहार में बहुधा मतभेद से हम अज्ञान के कारण मनभेद उत्पन्न कर बैठते है ।

› प्रदीप छाजेड़

दाल मंडी में व्यापारी ने अपनी दुकान फूंक दी

खुद पर भी पेट्रोल छिड़का, बुलडोजर चलते देख लोग रोते-गिड़गिड़ाते रहे

मायूसी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी की दाल मंडी में प्रशासन जर्जर 21 मकानों को ढहा रहा है। बुलडोजर और हथौड़े से मकान और दुकानों को तोड़ा जा रहा है। इससे पहले एक व्यापारी ने खुद पर पेट्रोल छिड़क लिया। मकान के पहले फ्लोर पर खड़े होकर सुसाइड करने की चेतावनी दी। यह देख अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए। अधिकारी उसे समझाने लगे।

नाराज व्यापारी ने कहा- हमारा मकान जर्जर नहीं है। प्रशासन बेवकूफ नहीं बना सकता है। अगर मकान गिराया तो हमें मुआवजा चाहिए। ये लोग जर्जर बताकर

मुआवजा देने से बचना चाहते हैं। यह कहते हुए उसने दुकान में आग लगा दी। पुलिस ने आग पर काबू पाया है।कई अन्य लोगों ने भी बुलडोजर एक्शन का विरोध किया। वे प्रशासन के अधिकारियों से 10 दिन की मोहलत मांगते रहे। तमाम लोग रोते-बिलखते दिखे। इस दौरान हंगामा करने वाले 8 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। उन्हें खींचते हुए पुलिस ले गई। कुछ लोगों की पिटाई भी की है।

दाल मंडी में सड़क चौड़ी करने के लिए जर्जर मकान-दुकानों पर बुलडोजर चल रहा। दालमंडी में अब तक की यह एक दिन में सबसे बड़ी कार्रवाई है।

मकान संख्या सीके 67/25A पर पहुंची टीम। मालिक मजदूरों को घर के अंदर नहीं जाने दे रहे। तो पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर लोगों को हटाया। घर खाली कराया। इसके बाद शुरू हुई कार्रवाई।

पेट्रोल फेकने वाले युवक की शिनाख्त कर ली गई है। दालमंडी निवासी रहमत अली पुत्र अहमद अली ने पेट्रोल फेंककर आग लगाई थी। पुलिस ने उसके भाई नौशाद अली को हिरासत में लिया है। दुकानें पर बुलडोडर चलने के बाद लोगों ने हंगामा कर दिया। जिन लोगों की दुकानें तोड़ी गई। वह महिलाएं रोती हुई निकलीं। ध्वस्तीकरण कार्रवाई के दौरान कुछ महिलाएं अपनी दुकानों से नहीं निकल रहीं थी। पुलिस ने जबरदस्ती उन्हें दुकान से बाहर निकाला। दुकान से निकलते हुए महिलाओं ने रोते हुए कहा- प्रशासन हमारे साथ गलत कर रहा है। ये तो जबरदस्ती है। जब जो मन में आया, तब कर दिया।

दुकानदारों ने पूछा- हमारा गुनाह क्या है, क्या मार डालोगे

दुकानदारों ने रोते हुए अफसरों से पूछा- हमारा गुनाह क्या है। क्या मार डालोंगे हमें। सड़क चौड़ी करनी है, तो लोगों को बर्बाद करके देंगे? सरकार हमें खत्म कर रही है। रोजी-रोटी छीन ली है। प्रशासन ने हमें कोई नोटिस नहीं दिया।

ACP दशाश्वमेध डॉ अतुल अंजान ने बताया - दालमंडी में चौड़ीकरण के लिए मकानों का ध्वस्तीकरण कराया जा रहा है। दालमंडी के अंदर आने वाले रास्तों पर बैरिकेडिंग की गई है। ताकि किसी भी प्रकार का आवागमन न हो सके और कार्य में बाधा न पड़े।

500 पुलिसकर्मी तैनात, ड्रोन से निगरानी

चारों थानों के करीब 500 पुलिसकर्मी तैनात हैं। इनमें महिला कर्मी भी शामिल हैं। ड्रोन से निगरानी की जा रही है।

इससे पहले 21 जनवरी को एक साथ तोड़े गए 8 मकानों को ध्वस्त किया गया था। नगर निगम ने 31 जनवरी को 23 मकान मालिकों को नोटिस दी है।

सभी मकान 100 साल से ज्यादा पुराने हैं और जर्जर हैं। लेकिन इसमें लोग जान जोखिम में डालकर रह रहे हैं।

'मेरे 2 साल के बेटे के दिल में छेद है कहां से इलाज कराएंगे'

दुकानदार बोले- हमने कोर्ट को चैलेंज किया। प्रशासन ये जो कर रहा है, हम लोग परिवार समेत मर जाएंगे। कहां से खर्चा चलाएंगे। मेरे 2 साल के बेटे का मुंबई में इलाज चल रहा है। उसके दिल में छेद है। मेरी किडनी खराब है। कैसे खर्चा चलाएंगे हम। क्या करेंगे हम। जीते जी मर जाएंगे हम लोग। मेरा परिवार बड़ा है। हम लोगों को बर्बाद किया जा रहा है। हम लोगों को बेईज्जत किया जा रहा है। हम लोग इज्जत दार लोग हैं। आज प्रशासन ने हमारा कालर पकड़ा। हमें बेईज्जत किया।

फास्ट न्यूज

बल्केश्वर में शू गोदाम में लगी आग

आगरा । आगरा के थाना कमला नगर अंतर्गत लोहिया नगर में जूतों के गोदाम में आग लग गई। दो मंजिला मकान से आग की लपटें उठने लगी। घर में कोई नहीं था।

आस पड़ोस के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेज हो गई। चारों तरफ धुआं हो गया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात कही जा रही है।

गर्लफ्रेंड की हत्या की, चेहरा बिगाड़कर शव फेंका

आगरा। आगरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर 6 फरवरी को हत्या कर महिला की लाश फेंकी गई थी। हत्या के बाद उसके गले और चेहरे को बिगाड़ दिया गया। पुलिस ने केस को सुलझाने के लिए AI से मदद ली। महिला के चेहरे को AI से रीडेवलप किया। फोटो बनने के बाद सभी थानों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया। 24 घंटे में ही रिजल्ट आने लगे। मरने वाली महिला की पहचान महोबा के सोनाली (25) के रूप में हुई। इसके बाद परिवार के लोगों ने हत्या की तहरीर दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू की।

कारोबारी ने कार के अंदर खुद को गोली मारी

आगरा। आगरा में ऑयल मिल कारोबारी ने कार के अंदर गोली मारकर सुसाइड कर लिया। मरने से पहले कारोबारी ने अपने परिवार को फोन किया। कहा कि अब मैं जीना नहीं चाहता हूं। मन भर गया है। कारोबारी विश्वजीत ने घर से करीब 300 मीटर दूर जाकर अपनी रिट्स कार में गोली मारी। जब तक पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे तब तक कारोबारी की मौत हो चुकी थी।

बरुआसागर मंडल में मतदाता सहायता केंद्र हेल्प डेस्क का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

बरुआ सागर, झांसी । 6 मार्च तक हेल्प डेस्क विधानसभा 222 बबीना जिला झांसी के बरूआसागर मंडल पर कार्यकर्ता नए वोटर बनाने हेतु फॉर्म 6 एवं नोटिस का निराकरण हेतु कार्य करेंगे जिसमें मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सुशीला कुशवाहा, विशिष्ट अतिथि पूर्व मंडल अध्यक्ष संदीप जैन जी,अमर सिंह कुशवाहा जी ,कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष रुपेश नायक ने की जिसमें मुख्य रूप से वरिष्ठ नेता फूलचंद्र चौरसिया,मंडल महामंत्री शिवम अग्रवाल, श्यामा चरण बिरथरे जी, मंडल उपाध्यक्ष विकास जैन एडवोकेट राघवेंद्र सेन संदीप साहू प्रदीप रायकवार मंडल मंत्री संदीप पटेल, मीडिया प्रभारी अभिषेक हयारण,आई टी संयोजक करन सेन विक्की वर्मा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे कार्यक्रम का आभार BLA2 अनिल जैन चुन ने वयक्त किया।

पत्नी ने पति को कुल्हाड़ी से काट डाला

प्रेमी के साथ मिलकर एक दर्जन वार किए, 2 साल की बेटी को लेकर फरार

तमसा संकेत, एजेंसी

इटावा। इटावा में पत्नी ने बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर पति की बेरहमी से हत्या कर दी। घर में सो रहे पति पर दोनों ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। पति जान बचाने के लिए बरामदे की ओर भागा तो दोनों ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। बरामदे में ही कुल्हाड़ी से एक दर्जन से ज्यादा वार किए।

वारदात के बाद आरोपी पत्नी अपने बॉयफ्रेंड के साथ अपनी बेटी को लेकर फरार हो गई। सुबह जब मृतक के पिता घर पहुंचे तो बेटे का खून से लथपथ शव देखा।

ससुर ने बताया- बहू ने पहले से ही मेरे बेटे की हत्या की साजिश रची थी। क्योंकि मैं हर रात घर के बाहर सोता था, पर घटना की रात उसने मुझे सोने नहीं दिया। मेरे बेटे की हत्या करने वालों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। दोनों पोतियों को मैं अकेले ही पाल लूंगा।

हत्या की सूचना पर पुलिस फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉयड के साथ मौके पर पहुंची। बरामदे से खून से सनी कुल्हाड़ी बरामद की इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। घटना जिला मुख्यालय से 22 किलोमीटर दूर भरथना क्षेत्र की है। भरथना के पड़ियापुर गांव के रहने वाले रणवीर सिंह यादव (45) की 2018 में मथुरा की वृंदावन निवासी पूजा (38) से शादी हुई थी। एक साल बाद ही पति-पत्नी में विवाद शुरू हो गया। पूजा उस समय प्रेग्नेंट थी। वह मायके चली गई थी।

काफी मनाने के बाद करीब तीन साल बाद वापस लौटी। इसके बाद फिर से झगड़ा करने लगी। पंचायत में समझौता हुआ, जिसमें शर्त रखी गई कि रणवीर परिवार से अलग रहेगा।

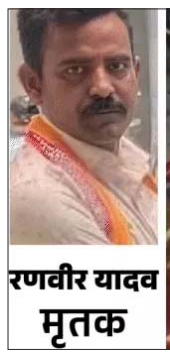

रणवीर यादव
मृतक

एएसपी ग्रामीण श्रीशचंद ने बताया- आरोपी अर्पित गांव का ही निवासी है। वह अविवाहित बताया जा रहा है। हत्या के बाद वह भी फरार है। आशंका है कि दोनों जिले से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे हैं। परिजनों का कहना है कि रणवीर की बाइक भी गायब है। हो सकता है दोनों उसी से फरार हुए हों। दोनों की अरेस्टिंग के लिए पुलिस टीमें लगाई गई हैं।

गांव के ही युवक से महिला का अफेयर

बड़े भाई लालू यादव ने बताया- पूजा का पिछले दो साल से गांव के ही अर्पित (40) नामक युवक से प्रेम-प्रसंग था। कई बार दोनों को रंगेहाथ पकड़ा जा चुका था। आए दिन इस बात को लेकर रणवीर और पूजा की लड़ाई होती थी। रणवीर इसका विरोध करता था।

रणवीर तीन दिन पहले ही घर लौटा था। पूजा ने पहले से ही उसकी हत्या की प्लानिंग कर रखी थी। उसने पिता जी को बाहर सोने नहीं दिया। रणवीर के सो जाने के बाद अर्पित को बुलाया। फिर दोनों ने मिलकर मेरे भाई की हत्या कर दी। इसके बाद बेटी को लेकर फरार हो गए।

दिल्ली और अंबाला मंडल के 34 स्टेशनों पर नई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली स्थापित की जाएगी

सिग्नलिंग प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए 421.41 करोड़ की मंजूरी दी

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली । रेल मंत्रालय ने उत्तर रेलवे (NR) के तहत दो महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को अपनी स्वीकृति दे दी है। इन परियोजनाओं का उद्देश्य हाई डेंसिटी (HDN) और हाईली यूज्ड नेटवर्क (HUN) मार्गों पर सिग्नलिंग प्रणालियों का आधुनिकीकरण करना और संरक्षा को सुदृढ़ करना है। इन परियोजनाओं के लिए कुल 421.41 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है।

इन परियोजनाओं के अंतर्गत उन स्टेशनों पर 'इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग' का प्रावधान किया जाएगा जहाँ स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली रकवचर (Kavach) स्वीकृत है। कवच तकनीक के साथ आधुनिक सिग्नलिंग का समन्वय करने के लिए

यह अपग्रेड अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो व्यस्त मार्गों पर सुरक्षित ट्रेन संचालन और हाई-थ्रूपुट (throughput) सुनिश्चित करेगा।

इन कार्यों को उत्तर रेलवे के लिए निर्धारित सब-अम्ब्रेला कार्य (मूल्य 1,547 करोड़) के तहत स्वीकृत किया गया है, जो 'कार्य, मशीनरी और रोलिंग स्टॉक प्रोग्राम' (पिंक बुक) 2024-25 के बड़े अम्ब्रेला अनुमोदन का हिस्सा है।

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (EI) की ओर कदम बढ़ाना रेलवे संरक्षा की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। पारंपरिक मैकेनिकल इंटर-

माननीय रेल मंत्री ने निम्नलिखित दो मदवार कार्यों को मंजूरी दी है:

दिल्ली मंडल (डीएलआई): एचडीएन/एचयूएन मार्गों पर 21 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का प्रावधान।

लागतः 292.24 करोड़।

अंबाला मंडल (यूएमबी): एचडीएन/एचयूएन मार्गों पर 13 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग का प्रावधान।

लागतः 129.17 करोड़।

लॉकिंग के विपरीत, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (EI) सिग्नल और पॉइंट को नियंत्रित करने के लिए कंप्यूटर आधारित प्रणालियों का उपयोग करता है, जिससे मानवीय त्रुटि की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। कवच के लिए पहले से स्वीकृत मार्गों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (EI)लागू करके, उत्तर रेलवे एक मजबूत और त्रुटि रहित नेटवर्क तैयार कर रहा है, जो अधिकतम संरक्षा सुनिश्चित करने के साथ साथ बढ़ते यातायात घनत्व को संभालने में भी सक्षम होगा।

हज यात्रा हेतु प्रशिक्षण टीकाकरण 11 फरवरी को

तमसा संकेत, संवाददाता

झाँसी। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मो० तारिक ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति लखनऊ के अन्तर्गत हज यात्रा 2026 में जाने वाले हज यात्रियों को कवाड्रिवेलेन्ट मेनिगो-कॉकल, मेनिनजाइटिस, सीजनल एन्फ्लूएन्जा व ओरल पोलियो के टीकाकरण कराया जाना है तथा हज यात्रा हेतु प्रशिक्षण/टीकाकरण किया जाना है। उन्होंने बताया कि जनपद झाँसी से हज यात्रा में जाने वाले हज यात्रियों को कवाड्रिवेलेन्ट मेनिगोकॉकल, मेनिनजाइटिस, सीजनल एन्फ्लूएन्जा व ओरल पोलियो के टीकाकरण दिनांक 11 फरवरी 2026 को समय प्रातः 09 बजे से अपरान्ह 03 बजे तक हाफिज सिददीक नेशनल इण्टर कॉलेज, इलाइट चौराहा, सीपरी रोड सिविल लाइन झाँसी में किया जायेगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि

जनपद झाँसी से हज यात्रा पर जाने वाले समस्त हज यात्री दिनांक 11 फरवरी 2026 को समय प्रातः 09 बजे हाफिज सिददीक नेशनल इण्टर कॉलेज, इलाइट चौराहा, सीपरी रोड सिविल लाइन झाँसी में उपस्थित होकर प्रशिक्षण/टीकाकरण कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ में हज यात्रियों को उनके द्वारा करायी गयी मेडिकल स्क्रीनिंग एण्ड फिटनेस जाँच सर्टिफिकेट की प्रति लेकर टीकाकरण केन्द्र पर पहुँचना होगा ताकि इस जाँच रिपोर्ट को चिकित्साधिकारी द्वारा भारत सरकार के पोर्टल पर अद्यतन किया जा सकें।

हंगामा: 58 साल के प्रिंसिपल ने 4 छात्राओं से बैडटच किया, आरोपी को हेलमेट पहनाकर पुलिस ले गई

200 लोगों ने घेरा स्कूल

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में प्राइमरी स्कूल के प्रिंसिपल ने छात्राओं से बैडटच किया। छात्राओं ने विरोध किया तो 58 साल के प्रिंसिपल ने जान से मारने की दी। ये बात जैसे ही छात्राओं के मां-बाप को मिली। सभी हाथों में जूता-चप्पल लेकर स्कूल पहुंच गए। करीब 200 लोगों ने आरोपी को खोजना शुरू किया। डरकर प्रिंसिपल ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। लोगों ने भी स्कूल कैंपस में हंगामा। सूचना पर ACP 3 थानों की फोर्स लेकर मौके पर पहुंचे। किसी तरह आरोपी प्रिंसिपल को हेलमेट पहनाकर बाहर निकाला। पूरा मामला शिवपुर थाना क्षेत्र का है। ग्रामीणों ने कहा- हमारी बच्चियां स्कूल में क्लास 4 और 5 में पढ़ती हैं।

15 दिन पहले ही स्कूल से कर दिया गया था रिलीव

छेड़छाड़ और ग्रामीणों के स्कूल पर हमले की सूचना पर SDM सदर और बेसिक शिक्षा अधिकारी भी पहुंचे। BSA ने बताया- स्कूल में कुल 12 महिला और 3 पुरुष टीचर हैं। इसमें से एक महिला और एक पुरुष टीचर का समायोजन दूसरे स्कूल में किया गया था।

आरोपी प्रिंसिपल पद्माकर सिंह को 15 दिन पहले ही रिलीव कर दिया गया था, लेकिन वह यहां से जाना नहीं चाहते थे। आरोपी प्रधानाध्यापक की उम्र 58 वर्ष है। जो दो साल बाद रिटायर होने वाला है।

आरोपी प्रिंसिपल पद्माकर सिंह को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। मामले की जांच एसडीएम सदर और बेसिक शिक्षा अधिकारी कर रहे हैं। जबकि हंगामा कर रहे आक्रोशित लोगों को पुलिस समझाने करीब 2 घंटे तक समझाती रही।

महिला पुलिसकर्मियों ने आक्रोशित महिलाओं को समझाने का प्रयास किया। कहा- आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

टॉफी, नमकीन का लालच देकर कमरे में बुलाते थे टीचर

पीड़ित के पिता ने बताया- मेरी बेटी प्राइमरी स्कूल में पढ़ने जाती थी। स्कूल के प्रिंसिपल पद्माकर सिंह ने अपने चैंबर में टॉफी, नमकीन, चाकलेट देकर बुलाते थे। वहां बैडटच करते थे। बाथरूम में भी पीछे-पीछे चले जाते थे। ऐसा 10 से 15 दिन से कर रहे थे। 2 दिन पहले एक बेटी के साथ जबरदस्ती की। उसे दर्द हुआ तो वह रोने लगी। उसने घर पर भी बताया।

धड़ले से हो रही हरे भरे पेड़ो की कटाई वन विभाग अंजान

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र बढ़ाने के लगातार किए जा रहे दावों के विपरीत बाराबंकी जिले के सूरतगंज क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर वन रेंज में प्रतिबंधित पेड़ों का अवैध कटान थमने का नाम नहीं ले रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वन विभाग की लापरवाही व मिलीभगत के चलते लकड़कटे बेखौफ होकर दिनदहाड़े पेड़ों की कटाई कर रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के शेखूपुर गांव से सामने आया, जहां एक स्थानीय ठेकेदार द्वारा आम का एक हरा-भरा पेड़ दिनदहाड़े कटवा दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार, पेड़ काटने के दौरान न तो किसी प्रकार की वैधानिक अनुमति ली गई थी और न ही वन विभाग का कोई अधिकारी या कर्मचारी मौके पर मौजूद था।

इस संबंध में जब वन विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया गया तो वन विभाग दरोगा मुनेश्वर ने बताया कि पेड़ काटे जाने की सूचना प्राप्त हुई है। प्रथम दृष्टया मामला विवादित प्रतीत हो रहा है और इसकी जांच कराई जा रही है।

इसके बावजूद लकड़कटे बिना किसी भय के आरी चलाते रहे और पेड़ को काटकर ले गए। घटना की जानकारी मिलते ही आक्रोशित ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले भी क्षेत्र में कई बार इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन हर बार कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती है। दोषियों पर कठोर कार्रवाई न होने के कारण अवैध कटान का नेटवर्क लगातार सक्रिय बना हुआ है।

जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग द्वारा अधिकांश मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई करने के बजाय केवल मामूली जुर्माना लगाकर मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है।

मां बेहोश ■ 50 लाख और गिरफ्तारी की डिमांड पर अड़े ■ ललितपुर में हंगामा

मंत्री के बेटे की फॉर्च्यूनर से कुचलकर युवक की मौत

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

ललितपुर। ललितपुर में राज्यमंत्री मनोहर लाल पंथ 'मन्नू कोरी' के बेटे की फॉर्च्यूनर से घायल युवक की मौत हो गई। इससे परिजन भड़क उठे। उन्होंने हावड़ा पुल के पास ललितपुर–जाखलौन मार्ग को जाम कर दिया है। सड़क पर शव रखकर लोग प्रदर्शन कर रहे हैं।

परिजनों ने तीन डिमांड रखी है। पहली- मंत्री के बेटे की गिरफ्तारी। दूसरी- 50 लाख रुपए की मदद। तीसरी- एक सदस्य को नौकरी।

लोगों ने सड़क पर बिजली का बड़ा खंभा रखा है। टेंट लगाकर परिजन बैठे हैं। इस दौरान युवक की मां बेहोश हो गई। भीम आर्मी जिला प्रभारी हरपाल सिंह, जिलाध्यक्ष रमाकांत चौधरी और सपा जिलाध्यक्ष नेपाल यादव भी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस अधिकारी 7 घंटे से परिजनों को समझाने में लगे हैं। लेकिन बिना कार्रवाई परिजन उठने को तैयार नहीं हैं।

अनुज यादव का झांसी मेडिकल कॉलेज में 13 दिन तक इलाज चला, लेकिन रविवार शाम दम तोड़ दिया। अनुज दो भाइयों में छोटा था और पेट्रोल पंप पर काम करता था। फॉर्च्यूनर कार राज्यमंत्री की पत्नी कस्तूरी देवी के नाम पर रजिस्टर्ड है।

बाइक को टक्कर मारी लोग पहुंचे तो धमकाया

मामला थाना जाखलौन क्षेत्र के बरखेरा गांव का है। 26 जनवरी की रात करीब एक बजे अनुज यादव (21) अपने चचेरे भाई शिवेंद्र यादव (18) और शंकर (45) के साथ सुंदरकांड पाठ के कार्यक्रम से बाइक पर घर लौट रहा था। इसी दौरान जाखलौन से ललितपुर की ओर आ रहा राज्यमंत्री मनोहर लाल मन्नू कोरी का बेटा नरेश पंथ अपने साथियों के साथ जा रहा था। फॉर्च्यूनर की स्पीड 100 से ज्यादा थी। कार ने हावड़ा पुल के पास बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि फॉर्च्यूनर के एयरबैग खुल गए। चारों दरवाजे लॉक हो गए। इसके बाद, कार में सवार सभी लोग पीछे की खिड़की तोड़कर बाहर निकले। जब लोगों ने विरोध किया, तो मंत्री के बेटे ने बंदूक दिखाकर लोगों को धमकाया। रात का फायदा उठाकर सभी लोग भाग गए।

मंत्री के बेटे ने सरेंडर कर ली थी जमानत

परिजनों ने 27 जनवरी को मंत्री के बेटे नरेश पंथ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। 3 फरवरी को मंत्री के बेटे नरेश पंथ ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था, फिर उसी दिन जमानत ले ली। पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अनुज के परिजनों ने सोमवार सुबह ललितपुर–जाखलौन मार्ग पर खंभा रखकर बंद कर दिया। इसके बाद शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। 3-4 घंटे के धरने के बाद भी जब सुनवाई नहीं हुई तो परिजनों ने बीच सड़क पर ही टेंट लगा दिया। धरने में मृतक अनुज की मां भी बैठी हैं। वह धरने में बेहोश हो गईं। धरने में 200 से ज्यादा लोग बैठे हुए हैं। अब धरने में अब भीम आर्मी जिला प्रभारी हरपाल सिंह , जिलाध्यक्ष रमाकांत चौधरी और सपा जिलाध्यक्ष नेपाल यादव भी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस अधिकारी लगातार परिजनों को समझाने में लगे हैं।मृतक शिवेंद्र के पिता राजेंद्र सिंह यादव ने बताया, मंत्री मनोहर लाल पंत के बेटे नरेश पंथ ने 26 तारीख को फॉर्च्यूनर से मेरे बेटे समेत तीन लोगों को को टक्कर मार दी थी।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर घायल

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना जगतापुर मोड़ के पास उस समय हुई जब पीछे से आ रही एक रोडवेज बस ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद बस चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। घायल युवक की पहचान संतोष कुमार (32) पुत्र राम सागर, निवासी ग्राम टडवा, थाना मोहम्मदपुर खाला के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार संतोष कुमार अपनी बाइक से बेलहरा की ओर जा रहे थे। जैसे ही वह जगतापुर मोड़ के पास पहुंचे, तभी तेज रफ्तार रोडवेज बस ने पीछे से उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि संतोष कुमार बाइक से असंतुलित होकर सड़क पर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद बस चालक बिना रुके मौके से फरार हो गया, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश देखने को मिला। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद राहगीरों और स्थानीय ग्रामीणों ने मानवीयता दिखाते हुए घायल युवक को सड़क से उठाया और एक निजी वाहन की मदद से फतेहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद चिकित्सकों ने संतोष कुमार का प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टरों के अनुसार युवक के सिर, हाथ और पैर में गंभीर चोटें आई हैं और उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना के बाद अस्पताल पहुंचे परिजन हादसे की जानकारी मिलते ही घायल युवक के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए।

टाण्डा के लाल ने किया कमाल रच दी ऐतिहासिक हैट्रिक

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जनपद के टाण्डा नगर निवासी होनहार छात्र मोहम्मद माज़ ने अपनी प्रतिभा से टाण्डा व अम्बेडकरनगर का ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है। इंटीग्रल विश्वविद्यालय लखनऊ में आयोजित फिएस्टा Fiesta-2026 के अंतर्गत हुए प्रतिष्ठित तकनीकी नवाचार प्रतियोगिता में मोहम्मद माज़ ने लगातार तीसरे वर्ष (2024, 2025 और 2026) प्रथम स्थान प्राप्त कर ऐतिहासिक हैट्रिक बनाते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस उपलब्धि से टाण्डा नगर और अम्बेडकरनगर जनपद ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में खुशी की लहर दौड़ गई है।

मोहम्मद माज़ की इस शानदार सफलता के साथ ही उनकी तकनीकी टीम माज़स्टर टेक ने भी लगातार तीसरी बार विजय प्राप्त कर अपनी सशक्त पहचान बनाई है। टीम द्वारा प्रस्तुत विजेता परियोजना सेफमोटो समाजोपयोगी और व्यवहारिक तकनीकी समाधान पर आधारित रही, जिसे निर्णायकों ने सर्वश्रेष्ठ माना। इस परियोजना को सफल बनाने में शमा जमाल, ज़ाविल हुदा क़ुरैशी, शुभम पांडेय, उमैर अहमद और शिफ़ात सिद्दीकी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

यह गौरवपूर्ण उपलब्धि फिएस्टा 2026 के दौरान विश्वविद्यालय के शीर्ष नेतृत्व की गरिमामयी उपस्थिति में हासिल हुई। कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक प्रो. एस. डब्ल्यू. अख्तर (कुलाधिपति एवं संस्थापक) रहे, जबकि सम्मानित अतिथि कुलाधिपति श्रीमती अज़रा वसीम उपस्थित रहीं। इस अवसर पर प्रो-कुलाधिपति डॉ. सैयद नदीम अख्तर, कुलपति प्रो. जावेद मुसर्रत, कुलसचिव प्रो. मोहद हारिस सिद्दीकी एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. मोनवार आलम ख़ालिद ने विजेता टीम को बधाई दी।

लेम्बोर्गिनी से 6 को उड़ाया, कारोबारी के बेटे पर एफआईआर

कानपुर। कानपुर में लेम्बोर्गिनी कार से 6 लोगों को कुचलने के मामले में पुलिस ने FIR दर्ज कर ली है। दरअसल, पुलिस ने रविवार रात कार के नंबर के आधार पर अज्ञात ड्राइवर पर FIR दर्ज की थी। इसके बाद मामले ने तूल पकड़ा, तो पुलिस बैकफुट पर आ गई।

हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल को आगे आना पड़ा। कमिश्नर ने कहा- जांच में तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा के बेटे शिवम का नाम सामने आया है। शिवम मिश्रा का नाम FIR में जोड़ा जा रहा है।

वहीं, शाम करीब साढ़े 5 बजे कमिश्नर ने ग्वालटोली थाना प्रभारी संतोष गौड़ को लापरवाही के आरोप में लाइन हाजिर कर दिया। 14 करोड़ की लेम्बोर्गिनी कार (DL-11 CF 4018) शिवम मिश्रा के नाम पर ही है। ये लिमिटेड एडिशन मॉडल है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रविवार को शिवम मिश्रा ही कार चला रहा था।

स्वदेशी एआई और 'वर्क फॉर इंडिया' पर जोर, शोधकर्ता और उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञ उपस्थित

एआई प्री-इवेंट का आयोजन छात्रों से नवाचार का आह्वान

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। नई दिल्ली में 16 से 20 फरवरी तक आयोजित होने वाली इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पूर्व एमआईईटी, मेरठ में एक प्री-इवेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय "एआई युग के लिए मानव कौशल की क्षमता बढ़ाना" रहा। इस अवसर पर शिक्षा व्यवस्था, कौशल विकास तथा उद्योग और शिक्षा के बीच सहयोग को एआई के वर्तमान और भविष्य के दौर के अनुरूप ढालने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक, शोधकर्ता और उद्योग जगत से जुड़े विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) दिल्ली के सेंटर हेड जितेंद्र सिंह तथा विशिष्ट अतिथि सी-डैक दिल्ली के सलाहकार अरविंद कुमार रहे। अपने संबोधन में जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत की समस्याओं का समाधान भारतीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विकसित स्वदेशी एआई तकनीकों से ही संभव है। उन्होंने छात्रों से "वर्क फॉर इंडिया" की भावना के साथ नवाचार करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एआई आधारित समाधान स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, शासन और सार्वजनिक सेवाओं जैसे क्षेत्रों में देश की आवश्यकताओं के अनुरूप होने चाहिए। संवादात्मक सत्र में छात्रों और शिक्षकों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए भविष्य की नौकरियों, शोध के अवसरों और उद्योग–शिक्षा समन्वय से जुड़े प्रश्न पूछे। कार्यक्रम का आयोजन कैंपस डायरेक्टर प्रो. (डॉ.) एस. के. सिंह तथा डीन कंप्यूटर साइंस प्रो. डॉ. नरेश कुमार के मार्गदर्शन में किया गया।

- **कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण पैनल चर्चा रही, जिसका विषय "एआई युग के लिए लोगों की क्षमता बढ़ाना" था। पैनल चर्चा में सी-डैक दिल्ली की वैज्ञानिक डॉ. प्रियंका जैन, एआई शोधकर्ता श्री मयंक शर्मा तथा लीड प्लेटफॉर्म एआई इंजीनियर श्री मोहम्मद उमर आलम ने अपने विचार साझा किए। वक्ताओं ने उभरती एआई तकनीकों, आवश्यक कौशल, शिक्षा पद्धति में बदलाव और जिम्मेदार (नैतिक) एआई पर सरल शब्दों में प्रकाश डाला।**

श्रद्धा के साथ व्यवस्थाओं की परीक्षा श्रद्धालुओं की भारी आमद से स्थानीय बाजार और सेवाओं में आई रौनक

लोधेश्वर शिवधाम में फाल्गुनी महोत्सव से चहक उठा पूरा क्षेत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। महाभारत कालीन आस्था के केंद्र लोधेश्वर महादेवा शिवधाम में आयोजित फाल्गुनी महोत्सव अब अपने शिखर की ओर बढ़ रहा है। जैसे-जैसे फाल्गुन माह आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इसका असर केवल धार्मिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे मेला क्षेत्र और आसपास के गांवों की सामाजिक व आर्थिक गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। लाखों की संख्या में शिवभक्त—नर, नारी, बच्चे और बुजुर्ग—प्रति-दिन शिवधाम पहुंचकर भोलेनाथ का पूजन-अर्चन एवं जलाभिषेक

कर रहे हैं। "हर हर महादेव" और "बोल बम" के गगनभेदी जयकारों से संपूर्ण मेला क्षेत्र लगातार गुंजायमान है। श्रद्धालुओं की यह आस्था लोधेश्वर को एक बार फिर उत्तर भारत के प्रमुख धार्मिक केंद्रों में स्थापित कर रही है। मेला परिसर स्थित बाग और अन्य निर्धारित स्थलों पर लगे टेंटों में कांवड़ियों के ठहरने और विश्राम की व्यवस्था की गई है। जगह-जगह चल रहे भंडारे, जल सेवा और प्राथमिक चिकित्सा शिविर श्रद्धालुओं की सुविधा में अहम भूमिका निभा रहे हैं। कई सामाजिक और धार्मिक संगठन सेवा कार्यों में सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए तहसील एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में यातायात नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन, चिकित्सा सुविधा, साफ-सफाई और सुरक्षा की व्यापक व्यवस्था की गई है। मेला क्षेत्र में पुलिस बल, होमगार्ड और स्वयंसेवकों की तैनाती की गई है ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

"फाल्गुनी महोत्सव के चलते मेला क्षेत्र और आसपास के इलाकों में अस्थायी दुकानों, ठेलों और सेवा शिविरों की संख्या बढ़ गई है। प्रसाद, पूजन सामग्री, कांवड़ सजावट, खान-पान और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की बिक्री से स्थानीय व्यापारियों को रोजगार और आय के नए अवसर मिले हैं। होटल, धर्मशाला और परिवहन सेवाओं में भी खासा इजाफा देखा जा रहा है।

कांवड़ यात्रा से बढ़ी आवाजाही

सैकड़ों किलोमीटर दूर से कंधों पर कांवड़ उठाए श्रद्धालु बिना भूख-प्यास की चिंता किए शिवधाम की ओर बढ़ रहे हैं। रंग-बिरंगी झालरों और आकर्षक सजावट से सजी कांवड़ आस्था के साथ-साथ सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का भी माध्यम बन गई हैं। कई जत्थे डीजे की भक्ति धुनों पर नाचते-गाते आगे बढ़ रहे हैं, जिनमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी उत्साहपूर्वक शामिल हैं।

आयुक्त मेरठ मंडल ने कलेक्ट्रेट का वार्षिक निरीक्षण किया

व्यवस्थाओं व कार्यप्रणाली की सराहना, अधिकारियों को दिए सुधार के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ । आयुक्त मेरठ मंडल भानु चन्द्र गोस्वामी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट मेरठ का वार्षिक निरीक्षण किया। कलेक्ट्रेट परिसर में आगमन पर जिलाधिकारी डॉ. वी.के. सिंह ने आयुक्त का पौधा भेंट कर स्वागत किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त महोदय ने जिलाधिकारी के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट में की गई तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं कार्यालयी कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए इसे संतोषजनक बताया।

आयुक्त ने कहा कि कलेक्ट्रेट के विभिन्न अनुभागों में कार्य व्यवस्थित रूप से संचालित हो रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि निरीक्षण के दौरान जिन पटलो पर छोटी-छोटी कमियां पाई गई हैं, उन्हें शीघ्र दुरुस्त किया जाए तथा कलेक्ट्रेट की कार्यप्रणाली

को वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप और अधिक प्रभावी बनाया जाए।

निरीक्षण के दौरान आयुक्त महोदय ने कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलो का भ्रमण कर कार्यालयी व्यवस्थाओं, अभिलेख संधारण, जनसुविधा व्यवस्थाओं तथा संचालित कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि सभी अभिलेख अद्यतन रखे जाएं तथा आमजन को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान की जाएं। जिन अनुभागों में साफ-सफाई अथवा मरम्मत संबंधी कमियां पाई गई हैं, उन्हें शीघ्र दूर करने के निर्देश भी दिए गए। आयुक्त ने विभिन्न पटलो पर कार्यरत कर्मचारियों से कार्यप्रणाली की जानकारी ली और रजिस्टरों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्राप्त होने वाली शिकायतों की निष्पक्ष जांच करते हुए समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि सामान्यतः सभी पटलो पर मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) का पालन किया जा रहा है। उन्होंने प्रभारी एवं सह-प्रभारी अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक माह कम से कम एक बार पटलो का निरीक्षण अवश्य किया जाए।

पृष्ठ 01 का शेष...

यूपी विधानसभा के ...

उन्होंने लिखा कि वास्तव में पूरे उत्तर प्रदेश में सर्वसमाज के करोड़ों लोग सरकार की गलत नीतियों व कार्यकलापों से दुखी व त्रस्त हैं. उन्हें गरीबी व बेरोजगारी के कारण अनेकों प्रकार की कठिन पारिवारिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन इन सबसे ज़्यादा उन्हें अपने जान, माल व मज़हब की ज़्यादा चिन्ता सता रही है, जिसके प्रति राज्यपाल को सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहिए था जिससे प्रदेश की जनता के साथ-साथ विपक्ष को भी थोड़ा आश्वासन मिलता, संभवतः जिसके अभाव के कारण ही राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष की नारेबाज़ी होती रही. हंगामा भी होता रहा।

राज्यपाल ने अभिभाषण में कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति को और बेहतर बनाने के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति जारी है. नवम्बर, 2019 से अब तक माफियाओं के विरुद्ध न्यायालय में विचाराधीन मुकदमों की प्रभावी पैरवी कर 35 माफिया व 94 सह-अपराधियों, कुल 129 को अलग-अलग अभियोगों में आजीवन कारावास अथवा अन्य अवधि के कारावास व अर्थदण्ड से दण्डित कराया गया है. 02 को मृत्युदण्ड की सजा हुई है तथा वर्ष 2017 से अब तक कुल 267 अपराधी मुठभेड़ में मारे गये तथा 977 अभियुक्तों को रासुका के अन्तर्गत निरुद्ध किया गया. माफिया अपराधियों से 04 हजार 137 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध रूप से अर्जित सम्पत्ति जब्त की जा चुकी है.

राज्यपाल एक ओर अपने अभिभाषण में राज्य सरकार की उपलब्धियां बता रही हैं, वहीं दूसरी ओर विपक्ष हमलावर है. अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी समारोह में सरकार की ओर से कराए गए कामों का उल्लेख किया.

हर मुद्दे पर सरकार...

सभी सदस्यों के लिए यह अहम रिपोर्ट होगी. वास्तव में विधानमंडल लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार स्तम्भ है. यह संवाद से चलता है कार्यवाही को बाधित करके नहीं. सदस्य अगर कार्यवाही को बाधित करेंगे तो वे मुद्दों को डायल्यूट करेंगे. हर मुद्दे पर सरकार चर्चा को तैयार है. पिछले नौ साल में यूपी विधानमंडल में कार्यवाही के कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं.

समाजवादी पार्टी ...

किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल रहा, युवाओं को रोजगार नहीं मिल पा रहा, महंगाई चरम पर है और स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हैं. उन्होंने कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में अराजकता का माहौल है.

राज्यपाल ने कसा ...

उन्होंने हाथ से जीरो की आकृति बनाकर सपा सदस्यों को आईना दिखाते हुए कुछ और भी कहा, जिसके बाद सपा सदस्यों ने तेज आवाज में हूटिंग शुरू कर दी। इसकी वजह से राज्यपाल की बात नहीं सुनी जा सकी।

स्पीकर ने कमिट...

संध्या ने राहुल से कहा कि आपकी तरफ से किसी और मुद्दे के लिए कोई नोटिस नहीं आया है, बजट पर चर्चा करनी हो तो बताएं।

इसके बाद विपक्ष ने हंगामा किया। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई।

राहुल गांधी ने स्पीकर से पूछा कि जिन मुद्दों पर स्पीकर को बताया गया है क्या उसपर मुझे बोलने नहीं दिया जाएगा। स्पीकर ने कहा कि अगर आप बजट पर बोलना चाहें तो बोल सकते हैं। और किसी मुद्दे पर आपकी तरफ से कोई नोटिस नहीं दिया गया है।

लोकसभा की कार्यवाही शुरू हुई। इससे पहले विपक्ष के हंगामे की वजह से 2 बजे तक के लिए कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया था।

राहुल बोले- सरकार...

उन्होंने कहा कि यह झूठ फैलाया गया कि विपक्ष प्रधानमंत्री को धमकी दे रहा था। सच यह है कि प्रधानमंत्री सच से डरकर सदन नहीं आए। अगर किसी ने धमकी दी है तो FIR कर गिरफ्तार करें। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष चर्चा चाहता है, लेकिन सरकार बहस से डर रही है। खासकर बजट, US डील और किसानों पर उसके असर पर बात करने से।

फरीदाबाद जेल में ...

उसे पंजाब में हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 2 साल पहले ही उसे कठुआ जेल से फरीदाबाद की इस नीमका जेल में शिफ्ट किया गया था।

सांबा में अक्षय शर्मा हत्याकांड से चर्चा में आया: अरुण चौधरी जम्मू जिले के आरएस पुरा सेक्टर के गांव खौर देओनियन का रहने वाला है। उसका नाम दिसंबर 2023 में हुए सांबा निवासी अक्षय शर्मा हत्याकांड के बाद चर्चा में आया था। वर्ष 2023 में पंजाब में हुई मुठभेड़ के बाद अरुण चौधरी को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद अरुण को कठुआ जेल में रखा गया था। जेल प्रशासन पर लगाए थे रिश्वत लेने के आरोप: अरुण पर हत्या और रंगदारी मांगने के मामले भी दर्ज है। वर्ष 2024 में ही इंस्टाग्राम पर लाइव आकर अरुण ने कठुआ जेल प्रशासन पर रिश्वत लेने के आरोप लगाए गए थे। जेल प्रशासन पर फोन और सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए वीडियो वायरल करके दो लाख लेने के आरोप लगाए थे।

कुलदीप सेंगर को ...

सुप्रीम कोर्ट ने कहा - हम इस स्तर पर कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं करेंगे। इस अपील पर निर्णय लेने का अधिकार क्षेत्र दिल्ली हाईकोर्ट के पास है और अंतिम फैसला वहीं से आएगा। जज ने कहा कि हाईकोर्ट से तय समय-सीमा के भीतर सुनवाई पूरी करने का अनुरोध करेंगे।

दरअसल, कुलदीप सेंगर को उन्नाव रेप पीड़ित के पिता की पुलिस हिरासत में मौत मामले में ट्रायल कोर्ट ने 10 साल के कठोर कारावास और 10 लाख रुपए जुर्माने की सजा 2020 में सुनाई थी।

दरअसल, उन्नाव रेप पीड़ित के पिता को 2018 में हथियार रखने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जेल में उनकी हालत बिगड़ गई थी और बाद में उनकी मौत हो गई थी। पीड़ित के परिजनों ने आरोप लगाया था कि यह कोई सामान्य मौत नहीं है, बल्कि साजिश के तहत की गई कस्टोडियल डेथ थी। आरोप था कि सेंगर के प्रभाव और दबाव में पीड़ित के पिता को प्रताड़ित किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच CBI को सौंपी गई। CBI ने सेंगर और अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। लंबी सुनवाई के बाद 13 मार्च 2020 को निचली अदालत ने सेंगर को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई थी।

नखणे की ...

इसके अलावा, कुछ ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म्स पर किताब के कवर को इस तरह दिखाया गया, जैसे वह खरीद के लिए उपलब्ध हो।

इस पूरे मामले की जांच के लिए दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने केस दर्ज किया है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अप्रकाशित और बिना मंजूरी वाली किताब की सामग्री कैसे सार्वजनिक हुई और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं।

यह FIR ऐसे समय दर्ज की गई है, जब 4 फरवरी को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को संसद परिसर में किताब की एक कॉपी दिखाते हुए देखा गया था। राहुल ने कहा था- अगर पीएम मोदी संसद आए तो उन्हें यह किताब दूंगा।

पंजाब में एकतरफा ...

पुलिस जांच के मुताबिक मामला एकतरफा प्यार का है। लड़की की सगाई हो चुकी थी लेकिन लड़का इससे नाराज था और उस पर शादी का दबाव डाल रहा था। पुलिस को यह भी शक है कि युवक ने वेलेंटाइन वीक में 8 फरवरी को छात्रा को प्रपोज किया था, लेकिन उसने इनकार कर दिया। जब छात्रा राजी नहीं हुई तो छात्र ने यह कदम उठाया।

कत्ल से जुड़ा कॉलेज के क्लासरूम का CCTV फुटेज सामने आया है।

बोले-पूरा अमेरिका आपके साथ, भारत ने 29 रन से हराया, अब पाकिस्तान से होगी भिड़ंत

ट्रम्प ने वर्ल्डकप के लिए खिलाड़ियों को बधाई दी

162 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए अमेरिका की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 132 रन ही बना सकी। मिलिंद कुमार, संजय कृष्णमूर्ति और शुभम रंजने ने संघर्ष किया, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके। भारत की ओर से मोहम्मद सिराज, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए अमेरिका को लक्ष्य से दूर रखा।

उत्साह

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपनी क्रिकेट टीम का उत्साह बढ़ाया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि पूरा देश टीम USA का समर्थन कर रहा है। उन्होंने लिखा,'मुझे अभी पता चला कि भारत में क्रिकेट वर्ल्ड कप चल रहा है! मैं टीम USA को शुभकामनाएं देता हूं। हमारी टीम बहुत मजबूत है और पूरा अमेरिका आपके साथ है।'

मैदान की बात करें तो, मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने अमेरिका को 29 रनों से हरा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 161/9 का स्कोर बनाया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 49 गेंदों पर नाबाद 84 रनों की शानदार पारी खेली। ईशान किशन और तिलक वर्मा ने भी उपयोगी योगदान दिया। अमेरिका की ओर से शैडली वान शल्कविक (4/29) और हरमीत सिंह (2/26) ने बेहतरीन गेंदबाजी की।

भारत से हारने के बाद अब अमेरिकी टीम श्रीलंका रवाना होगी। वहां 10 फरवरी को उनका मुकाबला पाकिस्तान से होगा। यह मैच काफी रोमांचक होने की उम्मीद है क्योंकि 2024 के वर्ल्ड कप में अमेरिका ने पाकिस्तान को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। क्रिकेट फैंस की नजरें इस री-मैच पर टिकी हैं कि क्या अमेरिका दोबारा वह इतिहास दोहरा पाएगा।

भारत में अमेरिकी राजदूत ने जताया आभार

ट्रम्प के इस संदेश पर भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने राष्ट्रपति को धन्यवाद देते हुए लिखा,'काइंड वर्ड्स के लिए धन्यवाद मिस्टर प्रेसिडेंट।' ट्रम्प के इस बयान को अमेरिका में क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि अमेरिका में क्रिकेट अभी भी अपनी पहचान बना रहा है, लेकिन ग्लोबल स्टेज पर टीम के प्रदर्शन ने सबका ध्यान खींचा है।

वैभव सूर्यवंशी के सामने अब बोर्ड एग्जाम की चुनौती !

नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान पर अपनी धुआंधार बैटिंग से दुनिया को हैरान करने वाले समस्तीपुर के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी अब सीबीएसई द्वारा आयोजित 10वीं बोर्ड परीक्षा के लिए तैयार हैं। खेल के मैदान पर बड़े-बड़े गेंदबाजों के पसीने छुड़ाने वाले 14 साल के युवा क्रिकेटर के लिए इस समय पढ़ाई और क्रिकेट करियर के बीच संतुलन बिठाने की बड़ी परीक्षा है।

दरअसल, मॉडेस्टी स्कूल के प्राचार्य आदर्श कुमार उर्फ पिंटू ने कहा है कि वैभव का एडमिट कार्ड आ गया है। पोद्दार इंटरनेशनल में सेंटर पड़ा है। वो परीक्षा देगा कि नहीं यह कहा नहीं जा सकता। उसका फैसला बोर्ड तय करेगा। स्कूल प्रशासन इस बात पर गर्व महसूस कर रहा है कि उनका छात्र राष्ट्रीय स्तर पर जिले और देश दोनों का मान बढ़ा रहा है।

बिहार के लाल वैभव सूर्यवंशी के लिए इस साल फरवरी और मार्च का महीना काफी बिजी रहने वाला है। बता दें कि सीबीएसई की 10वीं की परीक्षाएं 17 फरवरी 2026 से शुरू होकर 11 मार्च तक चलेगी। अब देखना होगा कि वैभव 10वीं एग्जाम देते हुए नजर आते है या नहीं।

वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ अंडर-19 विश्व कप 2026 के फाइनल में 175 रन की पारी खेलकर टीम इंडिया को छठी बार अंडर 19 वर्ल्ड कप ट्रॉफी दिलाई। वैभव की पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन की वजह से प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट का अवॉर्ड दिया गया।

इस तरह वह दोनों अवॉर्ड जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने।

नेपाल के सामने इंग्लैंड के पसीने छूटे 4 रन से जीत पाए अंग्रेज

सैम करन ने आखिरी ओवर में सिर्फ 5 रन देकर मैच बचाया

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड ने जीत से खाता खोला। ये जीत जितनी आसान दिख रही थी, उससे कहीं ज्यादा मुश्किल रही। रविवार को ग्रुप-C के मुकाबले में इंग्लिश टीम नेपाल को सिर्फ 4 रन से हरा पाई। मुंबई के वानखेड़े मैदान पर खेले गए इस रोमांचक मैच में फैसला आखिरी गेंद पर हुआ।

185 रन के टारगेट का पीछा कर रही नेपाल टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 180 रन ही बना सकी। मैच का असली ड्रामा आखिरी ओवर में देखने को मिला, जब नेपाल को जीत के लिए 10 रन चाहिए थे। इंग्लिश कप्तान ने गेंद सैम करन को सौंपी और उन्होंने सिर्फ 5 रन दिए, जिससे इंग्लैंड 4 रन से मैच बचाने में सफल रहा।

नेपाल के लोकेश बम 39 रन बनाकर नाबाद लौटे। दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 44 रन की अहम पारी खेली और रोहित पौडेल (39 रन) के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप की। कुशल भुर्तेल ने 29 रन का योगदान दिया।

इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 184 रन बनाए थे। जैकब बेथेल ने 55 और हैरी ब्रूक ने 53 रन की फिफ्टी लगाई। पहले मैच में इंग्लैंड ने नेपाल को 4 रन से हराया। आखिरी ओवर में 10 रनों की जरुरत थी। लेकिन सैम करन ने सिर्फ 5 रन दिए। लोकेश बम ने 20 बॉल पर नाबाद 39 रन की धुआंधार पारी खेलकर मैच को रोमांचक बना दिया था।

19वें ओवर की आखिरी बॉल पर ल्यूक वुड ने गुलशन झा को बोल्ड कर दिया। झा एक रन बनाकर पवेलियन लौटे।18वें ओवर में जोफ्रा आर्चर ने 22 रन खर्च कर दिए। लोकेश बम ने उनकी बॉल पर 3 छक्के लगाए। उन्होंने चौथी और 5वीं बॉल पर छक्का लगाया। इस ओवर की दूसरी बॉल पर आरिफ शेख आउट हुए। 18वें ओवर में जोफ्रा आर्चर को पहला विकेट मिला। उन्होंने आरिफ शेख (10 रन) को विकेटकीपर जोस बटलर के हाथों कैच कराया।

काशी में होगी शादी ■ सियासत से बचने को गेस्ट लिस्ट छोटी बनाई

आईपीएल के बाद रिंकू प्रिया संग लेंगे 7 फेरे

अलीगढ़, एजेंसी

परिवार ने भाजपा-सपा के बीच सियासत से बचने का निकाला रास्ता

शादी में रिंकू सिंह की तरफ से परिवार और कुछ रिश्तेदारों को मिलाकर करीब 10 से 12 लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। इसके पीछे की वजह बड़ी दिलचस्प है। दरअसल, दूल्हा पक्ष के कई करीबी भाजपा से जुड़े हैं, जबकि दुल्हन खुद सपा सांसद हैं। इसलिए न्योता देने के लिए काफी सोच-विचार करके ही इस पर निर्णय लिया गया है। गेस्ट लिस्ट काफी छोटी बनाई गई है।

क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज इसी साल जून में 7 फेरे लेंगे। दोनों की शादी काशी में होगी। परिवार ने सियासत से बचने को गेस्ट लिस्ट छोटी बनाई है।

पिछले साल 8 जून को लखनऊ में रिंकू और प्रिया की रिंग सेरेमनी हुई थी। इसके बाद नवंबर, 2025 में शादी की डेट फिक्स हुई थी। लेकिन, शादी नहीं हो पाई थी। फिर फरवरी, 2026 की तारीख तय हुई, लेकिन T-20 वर्ल्ड कप और IPL के चलते अब इसे जून के लिए शेड्यूल किया गया है।

रिंकू के बड़े भाई सोनू सिंह ने बताया- शादी के लिए पहले 11 और 12 जून की तारीखों पर चर्चा थी। लेकिन IPL फाइनल की व्यस्तता को देखते हुए रिंकू ने नई तारीख निकलवाने को कहा है। सोनू सिंह ने कहा- IPL, 26 मार्च से 31 मई के बीच प्रस्तावित है। जब रिंकू IPL से फ्री होंगे, तभी शहनाई बजेगी। फिलहाल शादी काशी में होगी और रिसेप्शन अलीगढ़ में रखा जाएगा। रिंकू और प्रिया की शादी का इंतजार फैंस लंबे समय से कर रहे हैं। हर बार शादी की तारीख तो निकलती है, लेकिन वह किसी न किसी कारण टल जाती है।

रिंग सेरेमनी में भाजपा झंडा लगी गाड़ी पर सपा को आपत्ति हुई

8 जून 2025 को रिंग सेरेमनी में अखिलेश यादव, डिंपल यादव, जया बच्चन, शिवपाल यादव, इकरा हसन समेत 300 वीआईपी गेस्ट शामिल हुए थे। समारोह में BCCI उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, पूर्व क्रिकेटर पीयूष चावला, प्रवीण कुमार, गेंदबाज यश दयाल भी शामिल हुए थे।

दूसरी तरफ, इसी कार्यक्रम में रिंकू के संरक्षक कहे जाने वाले अर्जुन सिंह फकीरा भाजपा का झंडा लगी गाड़ी से पहुंचे थे। जिस पर सपा खेमे की ओर से कुछ आपत्ति हुई थी। इस बारे में अर्जुन सिंह फकीरा बताते हैं- मैं कार्यक्रम स्थल से बाहर गाड़ी खड़ी करके रिंग सेरेमनी में शामिल हुआ था।

इस तरह की स्थितियों को देखते हुए माना जा रहा है कि जब भी शादी समारोह हो, राजनीतिक बहसबाजी या गुटबाजी किसी विवाद का कारण न बने। इसीलिए काशी में होने वाले फेरों में सिर्फ 10-12 खास रिश्तेदारों को ही बुलाया गया है।

मनोरंजन

अमिताभ बच्चन के हाथ में दिखा अनोखा पोस्टर

लिखा था- मुझे सपोर्ट करिए! मेरे ससुराल वाले मेरी वाइफ को मेज नहीं रहे हैं

नई दिल्ली। एक्टर अमिताभ बच्चन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे रविवार को मुंबई में फैन्स से मुलाकात के दौरान एक पोस्टर पकड़े नजर आए। पोस्टर पर लिखा मैसेज कई लोगों को हैरान कर रहा है। दरअसल, अमिताभ बच्चन हर रविवार को अपने घर के बाहर फैन्स से मुलाकात करते हैं। रविवार को फैन्स से मुलाकात के दौरान बिग बी के हाथ में एक पोस्टर दिखा, जिस पर लिखा था- "मुझे सपोर्ट करिए! मेरे ससुराल वाले मेरी वाइफ को भेज नहीं रहे हैं। 1982 ए लव मैरिज।" हालांकि, इस पोस्टर का अमिताभ बच्चन से कोई निजी संबंध नहीं है। यह पोस्टर एक फिल्म से जुड़ा हुआ है, जो 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन आखिरी बार रजनीकांत के साथ फिल्म वेट्टैयन में नजर आए थे। टी. जे. ज्ञानवेल द्वारा निर्देशित यह तमिल फिल्म 10 अक्टूबर, 2024 को रिलीज़ हुई थी। इस फिल्म में उन्होंने सत्यदेव (जस्टिस डॉ. सत्यदेव ब्रह्मदत्त पांडे) का रोल प्ले किया था।

तृप्ति डिमरी ने बताया शाहिद के साथ काम करने का अनुभव, ट्रोलिंग पर कही ये बात

'बॉक्स ऑफिस नंबर याद नहीं रहते'

नई दिल्ली। नेशनल क्रश का तमगा पा चुकीं अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म में तृप्ति शाहिद कपूर के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। इस मल्टीस्टारर फिल्म में वह अफशा का किरदार निभा रही हैं। हाल ही में तृप्ति ने अमर उजाला से खास बात की। इस दौरान उन्होंने इस फिल्म और शाहिद कपूर के साथ काम करने के अनुभव समेत कई मामलों पर खुलकर बात की।

शाहिद कपूर को लेकर तृप्ति का कहना है कि उनके साथ काम करना काफी शानदार रहा। वह बहुत ही मददगार हैं। शुरुआत में मैं थोड़ा शांत रहती थी। किरदार की भी यही जरूरत थी और मैं हूं भी थोड़े शांत स्वभाव की। सेट पर पहला दिन ही मेरे लिए काफी मुश्किल था। हमें एक इमोशनल सीन करना था। मैं अपने जोन में थी और उनसे एक बार भी बात तक नहीं की थी। हालांकि, मन ही मन मुझे लग रहा था कि पता नहीं वो मेरे बारे में क्या सोच रहे होंगे? लेकिन शाहिद ने यह बात तुरंत समझ ली। उन्हें महसूस हो गया कि मैं बस सीन पर फोकस कर रही हूं। यह उनकी बहुत खूबसूरत बात है। सेट पर शाहिद पहले दिन से ही बहुत मददगार रहे।

किरदार के लिए किए वर्कशॉप

फिल्म से जुड़े अपने अनुभव और किरदार के लिए मेहनत के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि फिल्म के लिए मैंने काफी वर्कशॉप की थीं। हमने अफशा के किरदार को अच्छे से समझने की कोशिश की। विशाल सर भी हमारी वर्कशॉप में शामिल होते थे। खासकर इस लड़की के मन को समझने पर सबसे ज्यादा चर्चा होती थी। मुझे लगता है कि यह सारी बातचीत और तैयारी मेरे लिए बहुत उपयोगी साबित हुई। जब आपके पास अपने किरदार की पूरी बैकग्राउंड और उसकी आंतरिक दुनिया साफ होती है, तो उसे कैमरे पर निभाना बहुत स्वाभाविक लगता है।

हर मुश्किल किरदार आगे बढ़ाता है

'ओ रोमियो' में अपने किरदार को लेकर तृप्ति ने कहा, 'जब यह फिल्म मुझे ऑफर हुई तो मैं बहुत खुश थी। यह एक चुनौतीपूर्ण किरदार था। ऐसे किरदार मुझे आकर्षित करते हैं। मुझे लगता है कि जो भूमिकाएं होती हैं वो ही एक अभिनेता को आगे बढ़ने का मौका देती हैं। फिर यह फिल्म भी विशाल भारद्वाज की थी, इसलिए मना करने का तो सवाल ही नहीं उठता था। जीवन में कभी सोचा नहीं था कि नाना पाटेकर और फरीदा जलाल जैसे कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा करने का मौका मिलेगा।

सोनम कपूर ने बेबी शावर में फ्लॉन्ट किया बेबी बंप

फैमिली मेंबर्स समेत सेरेमनी में फराह खान

मुंबई। एक्ट्रेस सोनम कपूर ने रविवार को मुंबई स्थित अपने घर पर प्राइवेट बेबी शावर सेरेमनी होस्ट की। सोनम और उनके पति आनंद आहूजा दूसरी बार पैरेंट्स बनने वाले हैं। बेबी शावर में सोनम के परिवार के सदस्यों के अलावा कई सेलेब्स भी नजर आए। करीना कपूर, भूमि पेडनेकर भी इस समारोह का हिस्सा बनीं।

बता दें कि सोनम ने अपने बेबी शावर को सिंपल, एलिगेंट और पर्सनल टच के साथ सेलिब्रेट किया। इस खास मौके पर एक्ट्रेस ने लाइम-ग्रीन लहंगा पहना, जिसके साथ मैचिंग केप था। फ्लोरल एम्ब्रॉयडरी और फ्लूइड सिल्हूट वाले इस आउटफिट में कम्फर्ट को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने दुपट्टे को पल्लू की तरह ड्रेप किया और भारी लेयरिंग से परहेज किया। स्टाइलिंग में स्लीक बन, लाल बिंदी, रेड लिपस्टिक और गोल्ड ज्वेलरी शामिल रही।

बता दें कि सोनम पहले से ही एक बच्चे की मां हैं। उनका बेटा वायु तीन साल का है, जिसका जन्म अगस्त 2022 में हुआ था। एक्ट्रेस ने 8 मई 2018 को बिजनेसमैन आनंद आहूजा से मुंबई में सिख रीति-रिवाज से शादी की थी।

सोनम ने अपने करियर की शुरुआत साल 2007 में फिल्म सांवरिया से की थी। एक्ट्रेस की नीरजा, रांझणा और प्रेम रतन धन पायो प्रमुख फिल्में हैं। वह आखिरी बार फिल्म ब्लाइंड में नजर आई थीं, जो 7 जुलाई 2023 को जिओ सिनेमा पर रिलीज हुई थी।

अरिजीत सिंह ने कोलकाता में किया लाइव कॉन्सर्ट

प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की घोषणा के बाद पहली पब्लिक परफॉर्मेंस में अनुष्का शंकर के साथ परफॉर्म किया

नई दिल्ली। प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने की घोषणा के कुछ ही दिनों बाद सिंगर अरिजीत सिंह ने रविवार को कोलकाता में लाइव परफॉर्मेंस दी। उन्होंने नेताजी इंडोर स्टेडियम में हुए लाइव कॉन्सर्ट में सितार वादक अनुष्का शंकर के साथ परफॉर्म किया।

कॉन्सर्ट में परकशनिस्ट बिक्रम घोष भी मंच पर मौजूद थे। इसे अरिजीत की प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने के ऐलान के बाद पहली पब्लिक परफॉर्मेंस माना जा रहा है।

कॉन्सर्ट के दौरान अरिजीत ने बंगाली क्लासिक 'माया भोरा राती' गाया, जिसे मूल रूप से लक्ष्मी शंकर ने आवाज दी थी और पंडित रवि शंकर ने कंपोज किया था। अनुष्का शंकर ने जब उन्हें मंच पर इंट्रोड्यूस किया, तो अरिजीत इमोशनल हो गए और कहा कि वह काफी नर्वस हैं। साथ ही उन्होंने उन्हें बुलाने के लिए धन्यवाद दिया। इसके बाद अरिजीत और अनुष्का ने 'ट्रेसेस ऑफ यू' का डुएट परफॉर्म किया। यह गाना अनुष्का शंकर द्वारा कंपोज किया गया है और इसे मूल रूप से नोरा जोन्स ने गाया था। गौरतलब है कि 27 जनवरी को अरिजीत सिंह ने सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वह अब कोई नया प्लेबैक सिंगिंग असाइनमेंट नहीं लेंगे। सिंगर ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकांउट पर लिखा था,नमस्ते, आप सभी को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं। इतने सालों से श्रोताओं के रूप में मुझे जो इतना प्यार दिया है, उसके लिए आप सबका धन्यवाद। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि अब से मैं एक प्लेबैक सिंगर के तौर पर कोई भी नया काम नहीं लूंगा। मैं इसे यहीं खत्म कर रहा हूं। यह एक शानदार सफर रहा।

एपस्टीन फाइल्स में जुकरबर्ग-मस्क की तस्वीर

जांच

सिलिकॉन वैली में डिनर के दौरान ली गई, एपस्टीन ने अपने अपार्टमेंट में लगा रखी थी

लंदन, एजेंसी

एपस्टीन फाइल्स में टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क और मेटा के CEO मार्क जुकरबर्ग की तस्वीर सामने आई है। इस तस्वीर में सिलिकॉन वैली के बड़े टेक दिग्गज साथ में डिनर करते नजर आ रहे हैं।

इसमें पेपाल के को-फाउंडर पीटर थील और MIT मीडिया लैब के पूर्व डायरेक्टर जोई इतो भी दिख रहे हैं। यह फोटो साल 2015 की बताई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह वही डिनर पार्टी है, जिसे यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने 'वाइल्ड डिनर' कहा था। एपस्टीन ने यह तस्वीर अगस्त 2015 में खुद को ईमेल की थी और इसे फ्रेम कराकर अपने न्यूयॉर्क स्थित अपार्टमेंट में लगा रखा था।

अमेरिकी जस्टिस डिपार्टमेंट ने 30 जनवरी को एपस्टीन फाइल्स के 30 लाख दस्तावेज सार्वजनिक किए थे, जिसके बाद से इस मामले में लगातार नए खुलासे हो रहे हैं। मैकस्वीनी ने कहा कि इस फैसले से पार्टी, देश और राजनीति पर लोगों का भरोसा कमजोर हुआ है। वहीं विपक्ष का कहना है पीएम स्टार्मर को मामले की जिम्मेदारी लेकर इस्तीफा देना चाहिए। मैकस्वीनी को स्टार्मर का सबसे मजबूत सहारा माना जाता था। उन्हें प्रधानमंत्री का 'दिमाग' कहा जाता है और सत्ता तक पहुंचाने में उनकी बड़ी भूमिका रही। उनके जाने के बाद लेबर पार्टी के सांसद पूछ रहे हैं कि अब स्टार्मर कितने दिन टिक पाएंगे। पार्टी के वामपंथी धड़े ने सीधे प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग कर दी है। लेबर पार्टी के पूर्व कैंपेन प्रमुख जॉन ट्रिकेट ने कहा कि जिम्मेदारी ऊपर तक जाती है।

एपस्टीन फाइल्स के तहत ये तस्वीर अमेरिका के जस्टिस डिपार्टमेंट ने जारी की है, इसमें मार्क जुकरबर्ग और इलॉन मस्क नजर आ रहे हैं।

एपस्टीन ने डिनर को 'वाइल्ड' बताया था

जस्टिस डिपार्टमेंट की फाइलों के मुताबिक, 2 अगस्त 2015 को एपस्टीन ने अपने दोस्त पीटर एटिया को ईमेल भेजकर लिखा था कि उस रात एलन मस्क, पीटर थील और मार्क जुकरबर्ग के साथ डिनर है। जवाब में एटिया ने लिखा था कि यह शानदार डिनर लग रहा है।

इसके कुछ दिनों बाद, 20 अगस्त 2015 को एपस्टीन ने अरबपति टॉम प्रिट्जकर को एक और ईमेल भेजा, जिसमें उसने इस डिनर को 'वाइल्ड' बताया। इलॉन मस्क का नाम पहले भी एपस्टीन फाइल्स में आ चुका है। 2012 के एक ईमेल में मस्क ने एपस्टीन से पूछा था कि उसके आइलैंड पर सबसे 'वाइल्ड पार्टी' किस दिन होगी। यह मेल उस सवाल के जवाब में था, जिसमें एपस्टीन ने आइलैंड पर जाने वालों की संख्या पूछी थी। ब्रिटेन से लेकर अमेरिका तक एपस्टीन फाइल्स के नए खुलासे सामने आने के बाद अब एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं कि दुनिया के सबसे ताकतवर और अमीर लोगों के एपस्टीन से रिश्ते कितने गहरे थे।

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के साथ मॉर्गन मैकस्वीनी। तस्वीर पिछले साल मई की है।

एपस्टीन फाइल्स विवाद से ब्रिटिश पीएम की कुर्सी पर भी खतरा

वहीं एपस्टीन फाइल की वजह से ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की सरकार मुश्किल में फंस गई है। एपस्टीन फाइल से जुड़े विवाद ने इतना तूल पकड़ लिया कि उनके सबसे भरोसेमंद सहयोगी और डाउनिंग स्ट्रीट के चीफ ऑफ स्टाफ मॉर्गन मैकस्वीनी को इस्तीफा देना पड़ा। मैकस्वीनी पर आरोप है कि उन्होंने यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन का समर्थन करने वाले पीटर मंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत बनाकर भेजा था। मैकस्वीनी ने कहा कि यह नियुक्ति गलत थी।

अमेरिका में ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के साथ पीटर मंडेलसन। मंडेलसन पर आरोप है कि जेफ्री एपस्टीन को बच्चों के यौन शोषण के मामलों में सजा होने के बाद भी मंडेलसन उसके संपर्क में रहे और उसका समर्थन किया।

फास्ट न्यूज

'इस तरह की घटनाएं पहले भी हुई हैं'

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने इस्लामाबाद में एक मस्जिद पर हुए हमले के संबंध में पाकिस्तान के आरोपों को निराधार करार दिया है और पाकिस्तानी अधिकारियों से उनके आंतरिक सुरक्षा में कमी के लिए जिम्मेदारी स्वीकार करने को कहा है। अफगानिस्तान का यह बयान पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा एक्स पर किए गए पोस्ट के बाद आया है, जिसमें उन्होंने हमला के लिए अफगानिस्तान पर निशाना साधा था।

लेबनान में जर्जर इमारत ढहने से 5 की मौत

नई दिल्ली। उत्तरी लेबनान के त्रिपोली में रविवार को हुए हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई। यहां एक पुरानी जर्जर इमारत अचानक गिर गई। जिससे वहां रह रहे लोग उसकी चपेट में आ गए। हफ्ते भर में इस तरह की यह दूसरी घटना है। घटनास्थल पर फिलहाल बचाव दल बचे हुए लोगों की तलाश कर रहे हैं। सरकारी नेशनल न्यूज एजेंसी ने त्रिपोली के बाब अल-तब्बानेह इलाके में एक पुरानी बिल्डिंग के गिरने की खबर दी थी, जो इस गरीब शहर का सबसे गरीब इलाका है। एजेंसी ने बताया कि सुरक्षाकर्मियों ने और बिल्डिंग गिरने के डर से आस-पास की इमारतों को खाली करा लिया है।

नौवीं के छात्र ने रूस में किया भारतीयों पर चाकू से हमला

नई दिल्ली। रूस के बश्कोर्तोस्तान गणराज्य में एक विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों के छात्रावास में शनिवार को चाकू से हमला स्थानीय स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ने वाले 15 वर्षीय छात्र ने किया था। चाकू से लैस हमलावर ने बश्कोर्तोस्तान के ऊफा स्थित स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के छात्रावास में घुसकर वहां रहने वाले छात्रों पर हमला किया था।

चांदी 17 हजार बढ़कर 2.62 लाख किलो पर पहुंची
सोना आज 3,515 महंगा हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

सोना-चांदी के दाम में आज यानी 9 फरवरी को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 3,515 रुपए बढ़कर 1,55,593 रुपए हो गया है। इससे पहले से 1,52,078 रुपए पर था। चांदी 16,826 रुपए बढ़कर 2,61,755 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 2,44,929 रुपए पर थी। सर्राफा बाजार में सोने ने 29 जनवरी को 1,76,121 और चांदी ने 3,85,933 रुपए का हाई बनाया था।

पिछले तीन कारोबारी सत्रों में सोने-चांदी की कीमतों में तेज गिरावट आई थी। इस दौरान सोना करीब 15% तक सस्ता हो गया था।अब कीमतें स्थिर होते ही निवेशकों ने निचले स्तर पर खरीदारी शुरू कर दी है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि अभी सोने-चांदी में एकमुश्त पैसा लगाने से बचना चाहिए। इसकी जगह धीरे-धीरे निवेश करना ज्यादा फायदेमंद होगा। 2025 में सोना 57 हजार रुपए (75%) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी इस दौरान 1.44 लाख रुपए (167%) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86,017 रुपए की थी, जो साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई।

उनकी पार्टी एलडीपी ने 465 में से 316 सीटें जीतीं ■ मोदी-ट्रम्प ने बधाई दी
जापान चुनाव में पीएम तकाइची की बड़ी जीत

टोक्यो, एजेंसी

जापान में रविवार को हुए आम चुनाव में प्रधानमंत्री साने ताकाइची की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (LDP) ने बड़ी जीत दर्ज की है। BBC के मुताबिक, LDP के गठबंधन को 465 में से 352 सीटें मिली हैं। LDP अकेले 316 सीटें जीती हैं, जो बहुमत के लिए जरूरी 233 सीटों से काफी ज्यादा हैं।

यह पार्टी की अब तक की सबसे बड़ी जीतों में से एक मानी जा रही है। इससे पहले 1986 में पार्टी ने 300 सीटें जीती थीं। चुनाव जीतने के बाद ताकाइची ने कहा कि वह जापान को मजबूत और समृद्ध बनाने पर काम करेंगी।

उन्होंने यह भी कहा कि जरूरत पड़ी तो विपक्ष के साथ मिलकर काम करेंगी। इस जीत के बाद ऊपरी सदन में विपक्ष के नियंत्रण के बावजूद PM ताकाइची को कानून पास करने की ताकत मिल गई है। ताकाइची की जीत पर पीएम मोदी ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने X पोस्ट में लिखा- मुझे विश्वास है आपके कुशल नेतृत्व में हम भारत-जापान मित्रता को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी साने ताकाइची को बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि ताकाइची अपने मजबूत और कंजरवेटिव एजेंडे में सफल हों।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अक्टूबर में साने ताकाइची से टोक्यो के अकासाका पैलेस मुलाकात की थी।

ट्रम्प बोले थे- ताकाइची शक्तिशाली और बुद्धिमान नेता

डोनाल्ड ट्रम्प ने 5 फरवरी को एक पोस्ट में साने ताकाइची को पूर्ण समर्थन दिया है। उन्होंने ताकाइची को मजबूत, शक्तिशाली और बुद्धिमान नेता कहा, जो अपने देश से सच्चा प्यार करती हैं और जापान के लोगों को निराश नहीं करेंगी। ट्रम्प ने बताया कि वह 19 मार्च 2026 को व्हाइट हाउस में ताकाइची से मुलाकात करेंगे। यह समर्थन जापान के 8 फरवरी 2026 के चुनाव से ठीक दो दिन पहले आया है। यह पहली बार है जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने जापान के किसी नेता को चुनाव में खुलकर समर्थन दिया है।

तकाइची ने चीन के खिलाफ रुख मजबूत किया

तकाइची ने चीन के खिलाफ मजबूत रुख अपनाते हुए सैन्य खर्च बढ़ाया है, आर्थिक पैकेज और टैक्स कटौती की घोषणा की है। उन्होंने खाद्य पदार्थों पर 8% सेल्स टैक्स को दो साल के लिए निलंबित करने का वादा किया है ताकि बढ़ती महंगाई से लोगों को राहत मिले। रणनीतिक सलाहकार कंपनी एफजीएस ग्लोबल के मैनेजिंग डायरेक्टर सेइजी इनाडा के मुताबिक, 'अगर तकाइची बड़ी जीत दर्ज करती हैं, तो उन्हें टैक्स में कटौती जैसे अहम फैसलों को लागू करने की आजादी मिलेगी।'

नए दस्तावेजों से खुलासा, रूस की मदद करने का ऑफर दिया था
पुतिन से नजदीकी बढ़ाना चाहता था यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन

वॉशिंगटन डीसी/मॉस्को, एजेंसी

अमेरिका जस्टिस डिपार्टमेंट (DOJ) के नए दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीब जाने की कोशिश कर रहा था। एपस्टीन ने कई मौकों पर पुतिन और उनके करीबी अधिकारियों तक पहुंच बनाने के प्रयास किए। एपस्टीन 2018 में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के जरिए पुतिन तक अपनी बात पहुंचाना चाहता था। उसने इसके लिए नॉर्वे के पूर्व पीएम थॉर्बजॉर्न यागलैंड से संपर्क किया था। जून 2018 के एक ईमेल में एपस्टीन ने नॉर्वे के पूर्व पीएम थोर्ब्योर्न यागलैंड से कहा था कि वह पुतिन को यह सुझाव दें कि रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव उससे बातचीत करें। दस्तावेज बताते हैं कि मई 2013 में एपस्टीन ने इजराइल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुद बराक को ईमेल कर कहा था कि यागलैंड पुतिन से मिलने वाले हैं और उन्होंने पूछा है कि क्या एपस्टीन भी पुतिन से मिल सकता है। एपस्टीन ने दावा किया था कि वह रूस को पश्चिमी देशों से निवेश लेने के तरीकों पर सलाह दे सकता है। एक अन्य ईमेल में उसने कहा कि अगर पुतिन मिलना चाहते हैं तो उन्हें दो से तीन घंटे का समय देना होगा। मई 2013 के ही एक ईमेल में एपस्टीन ने बिना सबूत के यह दावा किया कि उसने सेंट पीटर्सबर्ग में एक आर्थिक सम्मेलन के दौरान पुतिन से मिलने का अनुरोध ठुकरा दिया था। हालांकि दस्तावेजों में यह साफ नहीं है कि पुतिन ने वास्तव में ऐसी कोई मुलाकात चाही थी या नहीं।

> दस्तावेजों के मुताबिक, एपस्टीन खुद को एक ऐसे प्रभावशाली व्यक्ति के तौर पर पेश कर रहा था, जो अंतरराष्ट्रीय राजनीति और निवेश जैसे मुद्दों पर रूस की मदद कर सकता है।

रूसी राजदूत से मिलता था अपराधी एपस्टीन

CNN की रिपोर्ट के मुताबिक दस्तावेजों से खुलासा हुआ है कि एपस्टीन न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में रूस के तत्कालीन राजदूत विटाली चुरकिन के साथ नियमित संपर्क में था।

विटाली चुरकिन 2006 से 2017 तक संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि रहे। इसी दौरान एपस्टीन की उनसे न्यूयॉर्क में मुलाकातें और बातचीत होती थीं। एपस्टीन ने चुरकिन के बेटे मैक्सिम को न्यूयॉर्क की एक वेल्थ मैनेजमेंट फर्म में नौकरी दिलाने में मदद की पेशकश भी की थी। यह बात एपस्टीन के ईमेल्स में सामने आई है।

एपस्टीन ने चुरकिन को लेकर यह भी दावा किया कि वह उसकी बातचीत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को बेहतर तरीके से समझने लगे थे। हालांकि दस्तावेजों में इस दावे का कोई सबूत नहीं मिला है। फरवरी 2017 में विटाली चुरकिन की न्यूयॉर्क में अचानक मौत हो गई थी।

इसके बाद एपस्टीन ने 2018 के एक ईमेल में लिखा कि अब वह रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के जरिए फिर से संपर्क बनाना चाहता है।

बांग्लादेश चुनाव : बीएनपी जमात में कांटे की टक्कर
जेनजी पार्टी ने जमात से मिलकर चुनाव में चुनौती बढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश में इस हफ्ते आम चुनाव होने को है। इस बाबत दोनों प्रमुख राजनीतिक पार्टियां बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी और बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के बीच कांटे की टक्कर है। सभी पार्टियां जनता से लोक लुभावने वादे करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासनकाल में विपक्षी दलों की चुनावी मैदान में उपस्थिति नगण्य रही थी। या तो वे चुनावों का बहिष्कार करते थे या उनके शीर्ष नेताओं की बड़े स्तर पर गिरफ्तारियां उन्हें हाशिए पर धकेल देती थीं। अब स्थिति पूरी तरह पलट चुकी है।

गुरुवार को होने वाले मतदान से पहले, मंगलवार सुबह 7 बजे चुनाव प्रचार की आधिकारिक समाप्ति के साथ सोमवार अंतिम दिन है जब पार्टियां मतदाताओं तक पहुंच सकती हैं। शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने और मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार द्वारा उनकी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने के बाद, पूर्व सहयोगी जमात और BNP देश की राजनीति में प्रमुख ताकतों के रूप में उभरे हैं।

इस चुनाव में BNP की जीत की प्रबल संभावना जताई जा रही है, लेकिन जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व वाला गठबंधन उसे कड़ी चुनौती दे रहा है।

■ चुनाव परिणाम भारत-चीन संबंधों और हिंदू वोटों को प्रभावित करेंगे

बढ़ोत्तरी : मूडीज का अनुमान- वित्त वर्ष 2027 में भारत की जीडीपी 6.4% की दर से बढ़ेगी

जी20 देशों में भारतीय इकोनॉमी की ग्रोथ सबसे तेज

नई दिल्ली, एजेंसी

ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारतीय इकोनॉमी को लेकर लेटेस्ट अनुमान जारी किए हैं। मूडीज के मुताबिक, अगले वित्त वर्ष (2026-27) में भारत की GDP 6.4% की दर से बढ़ सकती है।

मूडीज ने कहा कि यह रफ्तार दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं वाले G20 देशों के ग्रुप में सबसे ज्यादा होगी। एजेंसी ने इसके पीछे मजबूत घरेलू खपत, सरकार के नीतिगत फैसलों और देश के स्थिर बैंकिंग सिस्टम को मुख्य वजह बताया। मूडीज का यह अनुमान भारत सरकार और रिजर्व बैंक (RBI) के अनुमान के मुकाबले थोड़ा कम है। पिछले महीने संसद में पेश हुए इकोनॉमिक सर्वे में वित्त वर्ष 2027 के लिए 6.8% से 7.4% की ग्रोथ का अनुमान बताया गया था।

वहीं रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी RBI ने भी हाल ही में अपनी मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग में वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही के लिए करीब 7% ग्रोथ की उम्मीद जताई है।

मूडीज की रिपोर्ट में कहा गया है कि सितंबर 2025 में GST के नियमों में हुए बदलाव और पर्सनल इनकम टैक्स की सीमा बढ़ाए जाने से लोगों की जेब में ज्यादा पैसा बचेगा। इससे बाजार में मांग बढ़ेगी और कंजम्पशन-लेड ग्रोथ को मजबूती मिलेगी।

बैंकिंग सेक्टर के लिए भी अच्छी खबर

रेटिंग एजेंसी ने अपनी बैंकिंग सिस्टम आउटलुक रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय बैंकों की हालत बेहतर बनी रहेगी।

- **कर्ज की मांग:** वित्त वर्ष 2027 में भारतीय बैंकों की लोन ग्रोथ 11-13% रहने का अनुमान है।
- **एनपीएल पर काबू:** बैंकों का नॉन परफॉर्मिंग लोन लेवल 2% से 2.5% के बीच रहने की उम्मीद है, जो काफी सुरक्षित स्तर है।
- **एमएसएमई पर दबाव:** छोटे और एमएसएमई पर कुछ दबाव दिख सकता है, लेकिन बैंकों के पास इस नुकसान को झेलने के लिए पर्याप्त पूंजी है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील का फायदा मिलेगा

रिपोर्ट में यह भी जिक्र है कि फरवरी 2026 में भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील के बाद एक्सपोर्ट सेक्टर से जुड़ी कंपनियों की स्थिति में सुधार आएगा। इससे छोटे उद्यमियों (MSME) का तनाव कम होगा और निवेश की नई संभावनाएं बनेंगी। मूडीज का मानना है कि महंगाई अब कंट्रोल में है, इसलिए रिजर्व बैंक ब्याज दरों में कटौती जारी रख सकता है। हालांकि, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अर्थव्यवस्था में सुस्ती के कोई संकेत तो नहीं मिल रहे। साल 2025 में RBI पहले ही ब्याज दरों में 1.25% की कटौती कर चुका है, जिससे फिलहाल रेपो रेट 5.25% पर है।

बैंक ऑक्शन से 2 बीएचके की कीमत में खरीदें 3 बीएचके घर
मार्केट रेट से 25% तक सस्ते मिल सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर आप कम बजट में घर खरीदना चाहते हैं, तो बैंक ऑक्शन एक अच्छा ऑप्शन है। अक्सर बैंकों की नीलामी में एक 3BHK फ्लैट उसी कीमत पर मिल जाता है, जितनी कीमत में उस इलाके में 2BHK की होती है। यह मौका तब मिलता है जब कोई कर्जदार अपने होम लोन की किस्तें (EMI) नहीं चुका पाता और बैंक उस प्रॉपर्टी को जब्त कर नीलामी के जरिए बेच देते हैं। जब कोई लोन डिफॉल्ट करता है तो बैंक 'सरफेसी एक्ट' के तहत प्रॉपर्टी कब्जे में ले लेते हैं। बैंक का मकसद मुनाफा कमाना नहीं, बल्कि बकाया लोन वसूलना होता है। इसीलिए बैंक इन घरों की 'रिजर्व प्राइस' बाजार भाव से 25% तक कम रखते हैं ताकि खरीदार जल्दी मिल सकें। मार्केट में 2BHK की डिमांड सबसे ज्यादा है, इसलिए इनकी कीमतें तेजी से बढ़ती हैं।

इसके उलट, 3BHK की कीमत ज्यादा होने से खरीदार कम होते हैं। नीलामी के दौरान कॉम्पिटिशन कम होने का फायदा उठाकर आप बड़े फ्लैट्स को 2BHK के रेट पर खरीद सकते हैं।

बैंक इन प्रॉपर्टीज को 'As-is-where-is' बेसिस पर बेचते हैं। इसका मतलब है कि घर जिस हालत में है, आपको वैसा ही मिलेगा।

नीलामी जीतने के बाद 15 से 30 दिनों के भीतर पूरी रकम चुकानी होगी। अगर आप लोन लेना चाहते हैं, तो प्री-अप्रूव्ड लोन का विकल्प रखें। देरी होने पर जमा राशि जब्त की जा सकती है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96